जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी की रैली से पहले किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ भीषण मुठभेड़ हुई है। इस भिड़ंत में सेना के दो जवान घायल हो गए हैं जबकि दो जवान बलिदान हो गए हैं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:273 दिनांक:14-09-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार शाम को तिहाड़ जेल से बाहर आए। उन्होंने अपने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि ''जेल मुझे कमजोर नहीं कर सकती'

डोडा में PM मोदी की रैली से पहले किश्तवाड़ में मुठभेड़, दो जवान बलिदान; दो घायल

जम्मू, मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है।

डोडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली से एक दिन पहले शुक्रवार को किश्तवाड़ से 45 किलोमीटर दूर छात्रू इलाके में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान बलिदान हो गए। दो अन्य गंभीर रूप से घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के कमान अस्पताल पहुंचाया गया है। छात्रू अस्पताल के इंचार्ज डॉ. अशरफ गिरी ने दो जवानों के बलिदान की पुष्टि करते हुए बताया कि पार्थिव शरीर संबंधित सैन्य यूनिट को भेजे गए हैं।

छात्रू इलाके के नायद गांव के ऊपरी इलाके के पिंगनाल दुग्गदा जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शाहपुरशाल चलाया था। घेरा सख्त होता देख छिपे आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में चार जवान घायल हो गए। घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। फायरिंग शुरू होने पर सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया है। आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। फिलहाल इलाके को घेर रखा गया है। जम्मू में सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस के साथ सेना ने छात्रू इलाके में ऑपरेशन चलाया। छिपे आतंकियों से साढ़े तीन बजे संपर्क स्थापित हुआ। फायरिंग में चार जवान घायल हुए हैं। ऑपरेशन जारी है। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इससे पहले बुधवार को उधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया था। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए गए हैं।

उधर, मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है।

सूत्रों के अनुसार किश्तवाड़ में पिछले काफी समय से कुछ आतंकी बड़ी घटना के अंजाम देने की फिराक में हैं। कुछ समय पहले पडिहारना के नवनटु इलाके में भी आतंकी देखे गए थे, जहां दोनों तरफ गोलीबारी हुई थी। इसमें आतंकी भागने में सफल हो गए थे। मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगा कर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है। हमला स्थल से डोडा में पीएम की जनसभा स्थल की दूरी करीब 20 किमी है। किश्तवाड़ में जहां यह हमला हुआ,उससे करीब15किलोमीटर दूर भाजपाकी दो रैलियां भी चल रहीं थीं।

महाराष्ट्र में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक होने पर मचा हड़कंप, शहर में छाई धुंध

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के अंबरनाथ में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक होने से इलाके में दहशत फैल गई। केमिकल का धुआं पूरे शहर में फैल गया, जिससे लोगों की आंखों और गले में जलन होने लगी। इससे लोगों को भोपाल गैस त्रासदी का मंजर याद आ गया। इस घटना के वीडियो सामने आए हैं जिसमें सड़कें धुएं की धुंध में ढकी दिखाई दे रही हैं। जो लोग इसके संपर्क में आए वह अपनी नाक और मुंह को ढक रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा है कि गैस रेलवे ट्रैक तक पहुंच गई। गैस और रिसाव के कारण का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टीमें भी भेजी गई हैं। अधिकारियों ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है।

बता दें 12 सितंबर रात करीब दस बजे मोरीवली एमआईडीसी इलाके में तेज गंध आने लगी। इससे लोगों को परेशानी होने लगी। इसी बीच फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। जब फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने जांच की और पूछताछ की तो एमआईडीसी में किसी भी कंपनी से कोई गैस नहीं निकली थी। हालांकि शहर में धुआं फैलने से लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक निककेम केमिकल फैक्ट्री से हवा में रसायन फैलने से लोगों को परेशानी हुई। कई लोगों को गले में खराश और आंखों में जलन की समस्या हुई। वर्तमान में वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मोबाइल वैन द्वारा वायु प्रदूषण की निगरानी की जा रही है।

पोर्ट ब्लेयर अब हुआ श्री विजयपुरम

नई दिल्ली(ईएमएस)। सरकार ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार आइलैंड की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। शाह ने कहा कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जनवरी 2023 को नेताजी की 126वीं बर्थ एनिवर्सरी पर अंडमान और निकोबार आइलैंड के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का फैसला लिया था। 28 दिसंबर 2018 में अंडमान-निकोबार के हैवलॉक द्वीप, नील द्वीप और रॉस द्वीप के नाम बदले थे। हैवलॉक द्वीप को स्वराज द्वीप, नील द्वीप को शहीद द्वीप और रॉस द्वीप को नेताजीसुभाष चंद्र द्वीप नाम दिया गया।

व्यास तहखाने में नमाजियों के प्रवेश पर रोक नहीं......हिंदू पक्ष को झटका

वाराणसी (ईएमएस)। ज्ञानवापी को लेकर हिंदू पक्ष ने सिविल जज सीनियर डिविजन की कोर्ट में अपील की थी कि व्यास तहखाने में नमाजियों के प्रवेश पर रोक लगाए। हिंदू पक्ष की अपील को कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दी। सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल ने ज्ञानवापी तहखाने में चल रही पूजा को यथावत रखने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कस्टोडियन जिलाधिकारी वाराणसी को तहखाने में किसी भी तरह के मरम्मत काम न कराने का आदेश दिया है। याचिका निरस्त होते ही अब हिंदू पक्ष तहखाना की मरम्मत कराने की मांग कर जिला कोर्ट में अपील करेगा।

हिंदू पक्ष ने याचिका दाखिल कर मांग की कि व्यासजी का तहखाना बहुत पुराना हो चुका हैं, छत कमजोर है। छत से पानी टपकता है। तहखाने के पिलर भी कमजोर हैं। नमाजियों के छत पर इकट्ठा होने से छत को नुकसान हो रहा है। इसके बाद तहखाने की जरूरी मरम्मत कराए। साथ ही नमाजियों के व्यासजी के तहखाने की छत पर जाने से रोका जाए।

वहीं मुस्लिम ने हिंदू पक्ष की याचिका का विरोध किया। कोर्ट में दलील दी कि नमाजियों को रोकने की याचिका गलत है। छत इतनी भी कमजोर नहीं है कि किसी के जाने से क्षतिग्रस्त होगी। हम सालों से छत पर नमाज पढ़ते रहे हैं।

ज्ञानवापी में हजारों साल से मुसलमान पांचों वक्त की नमाज बिना रोक-टोक के पढ़ते आ रहे हैं। ज्ञानवापी में क्षमता के अनुसार जितने नमाजी आ सकते हैं, उतने ही लोग नमाज पढ़ते हैं। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के लोग या आम नमाजी तहखाना की छत पर कतई इधर-उधर बिना वजह घूमते नहीं हैं। जूता या स्लीपर आदि पहन कर तहखाना की छत पर या मस्जिद या उसके आसपास नहीं टहलते हैं।

दिल्ली शराब नीति केस: 177 दिन बाद जेल से बाहर आए केजरीवाल, जांच एजेंसी पर जस्टिस भुइंया की तीखी टिप्पणी

पिंजरे के तोते वाली छवि से बाहर आए सीबीआई

- बाहर आकर भी केजरीवाल के लिए सरकार चलाने में मुश्किलें कम नहीं!

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को जमानत मिल गई। केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर आए। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो ईडी केस में बेल देते वक्त लगाई गई थीं। केजरीवाल के खिलाफ 2 जांच एजेंसी ने केस दर्ज किया है। ईडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। आप ने इस फैसले को सत्य की जीत बताया है। वहीं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस उज्जल भुइंया ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को जमकर फटकार लगाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस भुइंया ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी अनुचित थी। जस्टिस भुइंया ने सीबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसे पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए। उन्होंने सीबीआई द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार करने के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीबीआई की गिरफ्तारी का उद्देश्य केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोकना था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर निकलने के बाद समर्थकों का अभिवादन किया। तिहाड़ से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने कहा कि भगवान ने मेरा साथ दिया। मैं सही था, इसलिए बाहर आया। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि मैं देशविरोधी ताकतों से लड़ूंगा। इन लोगों ने मुझे जेल भेजा। मेरा हौंसला 100 गुणा बढ़ गया है। जेल की सलाखें मुझे कमजोर नहीं कर पाईं, आपकी दुआओं के कारण आज मैं बाहर हूं। मेरे खून का कतरा-कतरा देश के लिए है।

लोकतंत्र में धारणा मायने रखती है

जस्टिस भुइंया ने कहा कि सीबीआई देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी है। यह जनहित में है कि सीबीआई न केवल निष्पक्ष दिखे, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाली किसी भी धारणा को दूर करने की भी उसे हरसंभव कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून के शासन द्वारा संचालित लोकतंत्र में धारणा मायने रखती है। जांच एजेंसी को निष्पक्ष होना चाहिए। कुछ समय पहले इसी अदालत ने सीबीआई की निंदा करते हुए इसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह जरूरी है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे।

असहयोग का मतलब आत्म-दोषी होना नहीं

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि जब केजरीवाल को पीएमएलए कानून के कठोर प्रावधानों के तहत जमानत मिल चुकी है तो उसी अपराध के संबंध में सीबीआई द्वारा उन्हें हिरासत में लेना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। सीबीआई ने 22 महीनों तक अपीलकर्ता (केजरीवाल) को गिरफ्तार करने की जरूरत महसूस नहीं की, लेकिन जब वह ईडी मामले में रिहाई के कगार पर थे, तो तब सीबीआई द्वारा जल्दबाजी में अपीलकर्ता की गिरफ्तारी समझ से परे है। जस्टिस भुइंया ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का सीबीआई द्वारा विरोध किए जाने पर कहा किकेजरीवाल द्वारा टालमटोल वाले जवाबों का हवाला देकर गिरफ्तारी और हिरासत को सही नहीं ठहराया जा सकता। असहयोग का मतलब आत्म-दोषी होना नहीं हो सकता। ईडी मामले में केजरीवाल को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शर्त लगाई थी कि उनके सीएम कार्यालय में प्रवेश करने और सरकारी फाइलों पर हस्ताक्षर करने पर रोक रहेगी। इन शर्तों पर जस्टिस भुइंया ने कहा कि मैं न्यायिक अनुशासन के कारण केजरीवाल पर लगाई गई शर्तों पर टिप्पणी नहीं करूंगा क्योंकि यह अलग ईडी मामला था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली शराब नीति और इसके क्रियान्वयन से जुड़ी कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच के आदेश के बाद 2022 में आबकारी नीति को खत्म कर दिया गया था। सीबीआई और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

हथौड़ा लेकर खुद ही मस्जिद तोड़ने में जुट गया मुस्लिम समुदाय,-शिमला बवाल के बाद मंडी में मस्जिद तोड़नी शुरू

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल के शिमला में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा हथौड़ा लेकर खुद ही मस्जिद तोड़ने की घटना की खूब चर्चा हो रही है। शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब मंडी में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने खुद ही मस्जिद तोड़नी शुरू कर दी है। दरअसल शिमला की सड़कों पर बवाल देखकर मंडी निवासी मुस्लिम मस्जिदों के अवैध हिस्से को खुद ही तोड़ रहे हैं।

बता दें कि मस्जिद का ये हिस्सा लोक निर्माण विभाग की जमीन पर बना था इस हिस्से को तोड़ा जा रहा है। शिमला और मंडी में हिंदुओं का प्रदर्शन देख पहली बार मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक बड़ा ऐलान किया है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अमन शांति की बातें करनी शुरू कर दी है।

मुस्लिम पक्ष ने अब खुज संजौली मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने का प्रस्ताव रख दिया है। मस्जिद के इमाम कह रहे हैं कि अमन और भाई चारा बस बना रहना चाहिए। शिमला के जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मोहम्मद शफी कासमीने कहा कि हमने इसमें (ज्ञापन) कहा है कि, इस सीमावर्ती राज्य में भाईचारे (समुदायों के बीच) की एक बड़ी आवश्यकता है। हम हमेशा यहां रहते हैं सद्भावना बनाए रखने के लिए यदि कोई हिस्सा (मस्जिद का) अवैध है, तब हमें बताएं और हम स्वयं हटाने के लिए तैयार हैं। संजौली मस्जिद के इमाम शैजाद आलम का कहना है कि हमने यह आवेदन इसलिए दिया क्योंकि हिमाचल प्रदेश के सभी लोग दशकों से सद्भाव के साथ रह रहे हैं। हम भविष्य में भी सद्भाव और प्रेम से रहना चाहते हैं। हम ऐसा किसी के दबाव में नहीं कर रहे हैं, हम पर सिर्फ दबाव है कि सौहार्द बनाए रखना है। संजौली मस्जिद मामला शिमला पुलिस ने 11 सितंबर को विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव में शामिल लोगों की पहचान कर ली है। पुलिस ने कहा कि मामले के साथ-साथ सामान्य उद्देश्यों के साथ गैरकानूनी सभा की जांच कर रही है। नागरिक समाज जिसने इस विरोध का आयोजन किया और आह्वान किया, वह इस आपराधिक कृत्य के लिए जिम्मेदार होगा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान 10 युवक करंट से झुलसे

मिर्जापुर हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग को लाइट काटने के लिए सूचना दिया गया था। इसके बाद भी विसर्जन के समय बिजली नहीं काटी गई। जिससे हादसा हो गया।

यूपी के मिर्जापुर के कछवां थाना क्षेत्र के डीह के पास गंगा नदी के किनारे रेत से अलग गंगाजल में शुक्रवार की रात को गणेश मूर्ति विसर्जन करने जा रहे युवक करंट की चपेट में आ गये। पांच युवकों को कछवां क्रिश्चियन अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य को परिजन उनको लेकर निजी अस्पताल चले गये।

हरियाणा से बंगाल तक मानसून सक्रिय

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलावा हरियाणा, यूपी, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ ही गुजरात से ओडिशा तक कई राज्यों में झमाझम बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। 19 सितंबर तक गुजरात के कई जिलों में बारिश के आसार हैं। वहीं पूर्वी तटीय राज्यों ओडिशा, बंगाल से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों तक कई जगह भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तरखंड में आगामी दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। वहीं दिल्ली-एनसीआर के अलावा एमपी, यूपी, हरियाणा में अगले दो दिन तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हरियाणा में 15 सितंबर तक भारी बारिश का दौर बना रहेगा। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बारिश का दौर बना हुआ है। इसी बीच सितंबार माह का एक पखवाड़ा बीतने को है। इसके बावजूद मानसून सक्रिय है। छ्ञ ने हरियाणा गुजरात से लेकर बंगाल ओडिशा सहित पूर्वोत्तर के कई राज्यों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात में कच्छ से सौराष्ट्र तक कई जिलों में हल्की से भारी बारिश हो सकती है।

कांग्रेस पर माधवी ने तोड़ी चुप्पी.....सिरे से खारिज किए सारे आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के आरोपों के बीच 13 सितंबर को सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने ताजा बयान जारी किया है। अपने निजी बयान में सेबी प्रमुख माधवी ने कहा कि उन्होंने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से जारी सभी प्रकटीकरण दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है।

माधबी का यह बयान तब आया है, जब कांग्रेस माधबी पर कई सवाल उठा रही है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी बयान जारी कर बुच की 'अनुचित व्यवहार, हितों के टकराव और सेबी के सदस्य के रूप में काम करते हुए कंपनियों से भुगतान स्वीकार करने' के नए आरोपों को लेकर 'चुप्पी' पर सवाल उठाया था।

इन आरोपों के बीच माधबी और उनके पति ने कहा, लगाए गए आरोप झूठे, गलत, दुर्भावनापूर्ण और प्रेरित हैं। अपने बयान में, बुच दंपति ने उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने 2017 में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त होने के बाद से अपनी परामर्श फर्म और उसकी संपत्ति और उससे प्राप्त आय के विवरण के बारे में सेबी को सभी खुलासे किए थे। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि टकराव का आरोप भी न केवल मानहानि, झूठा और कष्टप्रद है, बल्कि स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण और प्रेरित है।'

माधबी बुच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व नियोक्ता आईसीआईसीआई बैंक से जुड़े किसी भी रेगुलेटरी मामले को नहीं निपटाया है। कई लिस्टेड कंपनियों के साथ हितों के टकराव के मुद्दे के बारे में, माधबी ने कहा कि सेबी में शामिल होने के बाद किसी भी स्तर पर उन्होंने कभी भी एगोरा एडवाइजरी, एगोरा पार्टनर्स, महिंद्रा ग्रुप, पिडिलाइट, डॉ. रेड्डीज, अल्वारेज एंड मार्सल, सेम्बकॉर्प, विसु लीजिंग या आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ी किसी भी फाइल को नहीं निपटाया है।

आखिर संघ प्रमुख भागवत ने क्या कह दिया.........एनडीए को दुविधा में डाल दिया

नागपुर (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब मुद्दे पर विपक्ष से लेकर एनडीए सहयोगी तक ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि भागवत ने दुविधा में डाल दिया है। वहीं बीजेपी नेता इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं। मिलिंद पराडकर की किताब तंजावुर के मराठा का पुणे में भागवत ने लोकार्पण किया। इस दौरान भागवत द्वारा शिवाजी महाराज की समाधि का श्रेय लोकमान्य तिलक को दिए जाने से नया विवाद खड़ा हो गया है। पुणे में संघ प्रमुख भागवत के दावे ने कि स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने शिवाजी महाराज की समाधि की खोज की थी। भागवत की इस टिप्पणी पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नेताओं ने समाज सुधारक ज्योतिराव से श्रेय छीनने की साजिश का आरोप लगाया है।

शिवाजी की समाधि कहाँ स्थित है?

1680 में शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद रायगढ़ के किले में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बाद में वहां उनकी एक समाधि बनी। हालांकि शिवाजी की मृत्यु के तुरंत बाद समाधि की उपस्थिति का विवरण देने वाला कोई समकालीन रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन कहा जाता है कि एक दशक के अंतराल के बाद किले पर मुगलों का कब्जा हो गया और 1689 से 1733 तक उनके नियंत्रण में रहा। मराठों ने 1733 में किले पर पुन: कब्ज़ा कर यह 1818 तक उनके नियंत्रण में रहा, जब तक की ब्रिटिश सेना ने आक्रमण नहीं किया था। कहा जाता है कि किले पर कब्जे के दौरान अंग्रेजों ने लगातार गोलाबारी की, जिससे समाधि सहित अंदर की कई संरचनाओं को नुकसान पहुंचा।

डॉ.पराडकर द्वारा लिखित पुस्तक तंजावरचे मराठे के विमोचन के मौके पर संघ प्रमुख भागवत ने कहा था कि लोकमान्य तिलक ने रायगढ़ किले में शिवाजी महाराज की जयंती के समारोह की शुरुआत की थी। इस पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि की खोज को लेकर संघ प्रमुख भागवत के बयान से असहमति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि समाज सुधारक फुले ने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि की खोज की थी। दरअसल, संघ प्रमुख के बयान के बाद कई नेताओं ने आरोप लगाया है कि तिलक का नाम लेना इतिहास को फिर से लिखने की एक बड़ी हिंदुत्व साजिश का हिस्सा है। इतिहासकारों ने समाधि की खोज करने वाले व्यक्ति के रूप में तिलक का नाम शामिल करने पर भी सवाल उठाया है। दावा किया जाता है कि तिलक द्वारा समाधि की खोज का कोई ऐतिहासिक संदर्भ नहीं है। जबकि तिलक ने 1895 के बाद से स्मारक के लिए एक आंदोलन का नेतृत्व करने में भूमिका निभाई और परियोजना के लिए धन जुटाया, लेकिन जिस बैंक में पैंसा जमा किया गया था, वह पूरी राशि डूब गई थी।

श्रीलंकाई नौसेना से तमिल मछुआरों की नाव में मारी टक्कर, कई मछुआरे घायल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कोडियाक्कराई के दक्षिण-पूर्व में मछली पकड़ते समय श्रीलंकाई नौसेना के जहाज से टकराने के बाद तमिल मछुआरों की नाव डूब गई। इस घटना में कई मछुआरे घायल हो गए। यह टक्कर उस समय हुई जब वे इलाके में काम कर रहे थे। गश्त पर निकले श्रीलंकाई नौसेना के जहाज ने पर उनकी नाव को टक्कर मार दी, जिससे नाव समुद्र में डूब गई।

घायल मछुआरों से श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारियों ने करीब छह घंटे तक पूछताछ की

इसके बाद उनका कोई चिकित्सा उपचार नहीं करवाया । मछुआरों को आखिरकार मौके पर पहुंचे अन्य स्थानीय मछुआरों को सौंप दिया गया और श्रीलंकाई नौसेना का जहाज वहां से चला गया। अन्य मछुआरों की मदद से डूबी हुई नाव को बरामद कर लिया गया और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पलटी हुई नाव और उसके ऊपर बैठे मछुआरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

मछुआरों ने जीपीएस डिवाइस और मछली पकड़ने के जाल सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने या खो जाने के कारण करीब 6.5 लाख रुपए का नुकसान होने की सूचना दी है। पूर्व एआईएडीएमके मंत्री जयकुमार ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले दस सालों के विपरीत, श्रीलंकाई नौसेना ने 2024 में बहुत सारे मछुआरों को गिरफ्तार किया है। यह मछुआरों के लिए बीच समुद्र में एक सतत संघर्ष बन गया है।

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या के आरोप तय

-दंगे के लिए भीड़ को उकसाने, घरों में जबरन घुसने और चोरी के भी आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। 1984 के सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दिल्ली की अदालत ने आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ हत्या, गैरकानूनी ढंग से एकत्र होना, दंगा करना, दंगा भडक़ाना, अलग-अलग गुटों को एक दूसरे के खिलाफ भडक़ाना, घरों में जबरन घुसना और चोरी के आरोप तय किए हैं।

स्पेशल जज राकेश सियाल ने कहा है कि टाइटलर ने सीबीआई के आरोपों पर कहा था कि वे दोषी नहीं हैं। इसलिए अब टाइटलर के खिलाफ इन आरोपों के हिसाब से ही केस चलेगा। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। अदालत ने 30 अगस्त को पिछली सुनवाई में कहा था कि टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलाने के पर्याप्त सबूत हैं। सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ 20 मई 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें कहा था कि टाइटलर ने भीड़ को उकसाया। इसके बाद गुरुद्वारे में आग लगाई। इस हिंसा में ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरु चरण सिंह मारे गए थे। चार्जशीट के मुताबिक, एक गवाह ने आरोपलगाया था कि जगदीश टाइटलर 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक एंबेसडर कार से बाहर निकले। इसके बाद उन्होंने भीड़ को उकसाते हुए कहा था- सिखों को मारो, उन्होंने हमारी मां को मारा है।

बुलडोजर जस्टिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा.......कानून को ध्वस्त करने जैसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने फिर बुलडोजर जस्टिस पर कड़ी टिप्पणी कर कहा कि सरकारी अधिकारियों का ऐसा करना देश के कानून को ध्वस्त करने जैसा है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि अपराध में शामिल होना किसी की संपत्ति को ढहाने का आधार नहीं हो सकता। आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एकशन की शुरुआत सबसे पहले यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने की थी। उसके बाद अब मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात जैसे कुछ बाकी राज्य भी उसी राह पर निकल चुके हैं।

यह मामला गुजरात के एक परिवार का था, जिन्होंने अपने घर पर बुल डोजर कार्रवाई की धमकी के खिलाफ याचिका दायर की थी। जस्टिस ऋषि केश रॉय, सुधांशु धूलिया और एस वी एन भट्टी की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि एक सदस्य द्वारा कथित अपराध के लिए पूरे परिवार को घर गिराकर दंडित नहीं कर सकते। अदालत इस तरह की तोड़फोड़ की धमकियों से बेखबर नहीं रह सकती, देश में ऐसी कल्पना भी नहीं की जा सकती जहां कानून सर्वोपरि है।

पीठ ने कहा, ऐसी कार्रवाइयों को देश के कानून पर बुलडोजर चलाने जैसा माना जा सकता है। बेंच ने कहा कि उस देश में जहां राज्य के कार्य का नून के नियमों से बंधे हैं, वहां परिवार के एक सदस्य द्वारा अपराध के लिए परिवार के अन्य सदस्यों या उनके कानूनी रूप से बने घर के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील इकबाल सैयद ने बताया कि परिवार पिछले दो दशकों से जिस घर में रह रहा है, उसके निर्माण में कोई गैरकानूनी बात नहीं है। उन्होंने 2004 में ग्राम पंचायत की तरफ से पारित उस प्रस्ताव का भी हवाला दिया जिसमें आवासीय घर बनाने की अनुमति दी गई थी। दरअसल, परिवार के एक सदस्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद नगर पालिका ने घर गिराने की धमकी दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि कानून को अपराध के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ अपना काम करना चाहिए, लेकिन पूरे परिवार को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 4 हफ्ते बाद तय करते हुए याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत दे दी है।

अगले 3 दिनों तक 14 राज्यों में तूफान का अलर्ट, मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्य भारत में बने दबाव क्षेत्र के कारण दिल्ली, यूपी, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश के आसार हैं। अगले 24 घंटे में उत्तरी मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 14 राज्यों में अगले दो से तीन दिन तक तूफानी हवा और भारी बारिश की चेतावनी दी है।

हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में बाढ़ आ सकती है। पूर्वोत्तर में नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भी भारी बारिश का पूर्वानुमान है। बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से ओडिशा में तेज बारिश होने की संभावना है। बिहार के विभिन्न जिलों में येलो और झारखंड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी और पश्चिमी मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी दी है।

मध्य भारत में उत्पन्न दबाव क्षेत्र के कारण भारी बारिश की संभावना जताई गई है। यह दबाव क्षेत्र ग्वालियर के पास शहर से लगभग 50 किमी उत्तर में और आगरा से 60 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित है। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने कहा, अगले 24 घंटे में इसके उत्तर- उत्तर पूर्वी दिशा में बढ़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में दो दिन से हो रही बारिश से 23 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले तीन दिन तक भारी बारिश होगी। पिछले 24 घंटे में हाथरस में सर्वाधिक 186 मिमी बारिश हुई।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने अगले दो दिन 10 जिलों में भारी बारिश का रेड और तीन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। काशीपुर में दीवार गिरने से 15 लोग घायल हो गए। पिथौरागढ़ में दारमा घाटी में गुरुवार दोपहर 11,820 फीट की ऊंचाई पर स्थित सीपू में मौसम की पहली बर्फबारी भी हुई। लगातार बारिश के चलते तीन हजार केदारनाथ यात्रियों को सोनप्रयाग में रोक दिया गया। भारी बारिश से प्रदेश में एनएच, स्टेट हाईवे समेत 151 सड़कें बाधित हैं।

बिहार के नवादा, गया, जमुई, बांका, मुंगेर और लखीसराय में भारी बारिश की संभावना है। 15 सितंबर को कैमूर, रोहतास, गया,औरंगाबाद,अरवल,जहानाबाद, भोज पुर, बक्सर, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय व मुंगेर में भारी वर्षा का येलो अलर्ट है। हरियाणा में 15 सितंबर तक भारी बरसात होने की संभावना है।

सांसद अमृतपाल को हाईकोर्ट का नोटिस

अमृतसर(ईएमएस)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सांसद अमृतपाल सिंह की संसदीय सदस्यता को दी गई चुनौती मामले में नोटिस जारी कर दिया है। अमृतपाल सिंह को सांसद के रूप में अयोग्य घोषित करने के लिए विक्रमजीत सिंह द्वारा याचिका दायर की गई है। जिसकी सुनवाई हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने अमृतपाल सिंह को 25 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया।

अमृतपाल सिंह के खिलाफ कोर्ट पहुंचे विक्रमजीत सिंह ने याचिका में आरोप लगाया है कि अमृतपाल सिंह ने नामांकन पत्र में कई अहम जानकारियां छिपाई हैं। अपने चुनाव खर्च की कोई जानकारी नहीं दी है। जिसमें उनके समर्थन में रोजाना कई सभाएं कीगई और पैसा कहां खर्च किया गया, इसकी भी जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने अमृतपाल सिंह पर धार्मिक पहचान का इस्तेमाल कर धर्म के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया है।

जन हितैषी

तेल कंपनियों की डीजल-पेट्रोल मे खुलेआम मुनाफाखोरी

कई महीनो से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। इसके बाद भी भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार मे तेल के दाम घटने के बाद भी रेट नहीं घटाा रही हैं। पेट्रोलियम कंपनियों का यह खेल कई महीनो चल रहा है। पिछले 3 साल से पेट्रोलियम कंपनियों और सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम बढ़ते थे। तब तेल कंपनियां रोजाना पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा देती थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम पिछले 3 साल की तुलना में सबसे निचले स्तर पर हैं। 15 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार और तेल कंपनियों ने मिलकर पेट्रोल एवं डीजल के दाम 2 रूपये प्रति लीटर कम किए थे। उसके बाद से पेट्रोलियम कंपनियों ने डीजल और पेट्रोल के रेट नहीं घटाए हैं। भारत सरकार की नीतियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी और वृद्धि होने पर तेल की कीमत घटाने और बढ़ाने की नीति है। इसके बाद भी पेट्रोलियम कंपनियां, भारतीय उपभोक्ताओं से खुले आम पेट्रोल डीजल में मुनाफाखोरी और दिनदहाड़े लूट रही हैं। भारत सरकार भी आंख बंद करके बैठी हुई है। भारतीय उपभोक्ता भी इस लूट पर चुपचाप मूकदर्शक बनकर लुट रहा है। इस तरह की लूट शायद भारत में ही संभव है। अन्य देशों में जनता सड़कों पर उतरकर आ जाती है। अभी जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनाव होने वाले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने हैं। इस साल के अंत तक या अगले साल के प्रारंभ में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। पिछले 3 सालों से पेट्रोलियम कंपनियों की लगातार लूट चल रही है। अरबो रुपए पेट्रोलियम कंपनियां हर माह भारतीय उपभोक्ताओं के साथ मुनाफाखोरी करके कमा रही हैं। पेट्रोल और डीजल की इस लूट के कारण भारत में महंगाई निरंतर बढ़ रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इंडियन बास्केट में कच्चे तेल के दाम में 20.61 फ़ीसदी की गिरावट आई है। इसके हिसाब से पेट्रोल और डीजल के रेट में 22 से 25 रूपये प्रति लीटर की कमी होनी चाहिए थी। पिछले ढाई साल में पेट्रोलियम कंपनियों ने केवल दो बार ही पेट्रोल डीजल के दाम घटाए हैं। पेट्रोलियम कंपनियों को रिफाइनरी में भी बड़ा फायदा हो रहा है। भारत में लगभग 27 करोड़ टू व्हीलर चलाने वाले उपभोक्ता है। यह गरीब और मध्यम परिवार के उपभोक्ता हैं। दो पहिया वाहन चालक 12000 से 20000 रूपये प्रतिमाह कमाते हैं। इन्हें अपनी नौकरी और मजदूरी के लिए जाने मे वाहन का इस्तेमाल करना पड़ता है। हल्के और भारी वाहनों को जोड़ लिया जाए, तो करीब 33.50 करोड़ उपभोक्ता नियमित रूप से पेट्रोल और डीजल खरीदतें हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम कम होंगे, तो मालभाड़ा भी कम होगा। उपभोक्ता वस्तुओं के दाम घटेंगे। इस तरह की मुनाफाखोरी और लूट पर सरकार की चुप्पी सभी को हैरान कर रही है। अप्रैल 2024 में कच्चे तेल के दाम 89.44 डॉलर प्रति बैरलअंतरराष्ट्रीय बाजार में थे। सितंबर माह में यह घटकर 71 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। सरकार सब कुछ देख और जान रही है। इसके बाद भी सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जनता जानना चाहती है, पेट्रोलियम कंपनियों और सरकार के बीच किस तरह का रिश्ता है। विपक्ष ने पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफाखोरी और लूट पर मौन साध रखा है। रोजाना 33 करोड़ उपभोक्ताओं के साथ खुलेआम लूट हो रही है। पिछले तीन सालों मे सरकार की मिली भगत से पेट्रोलियम कंपनियों ने अरबों-खरबों रुपए की लूट खुलेआम की है। सरकार, पेट्रोलियम कंपनियों पर क्यों मेहरबान है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर आम जनता में गुस्सा है। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के बीच महंगाई प्रमुख मुद्दा था। सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण भाजपा को 240 सीटों पर आकर रुक जाना पड़ा। अगले 6 महीने में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। आम जनता के बीच में महंगाई अभी भी सबसे बड़ा मुद्दा है। इसके बाद भी सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। सरकार यह मानकर चलती है। यदि जनता को कोई तकलीफ है। तो वह सड़कों पर आकर विरोध दर्ज करायेगी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों और मुनाफाखोरी को लेकर कोई विरोध नहीं हो रहा है। इसलिए सरकार इसे कोई मुद्दा नहीं मानती है। जनता को लूट और मुनाफाखोरी से बचना है। ऐसी स्थिति में उसे अपना विरोध दर्ज कराने के लिए आगे आना ही होगा। अन्यथा इसी तरह की लूट आगे भी चलती रहेगी।

भारत के मार्च 2026 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के संकेत

(लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.93 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष बनी हुई है और जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर लगभग स्थिर है अथवा इसके ऋणात्मक रहने की भी प्रबल सम्भावना है। इस दृष्टि से मार्च 2025 तक भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं मार्च 2026 तक भारत जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हाल ही के समय में जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की समस्याएं दृष्टिगोचर हैं, जिनके कारण इन दोनों देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले वर्षों में विपरीत रूप से प्रभावित रह सकती है।

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाइयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, अब परिस्थितियां बदल रही हैं क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भी हिचकोले खाने लगी है और चीन ने विभिन्न उत्पादों का जर्मनी से आयात कम कर दिया है। अतः अब जर्मनी अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। आज बदली हुई परिस्थितियों में चीन, जर्मनी में निर्मित विभिन्न उत्पादों का आयात करने के स्थान पर वह जर्मनी का प्रतिस्पर्धी बन गया है और इन्हीं उत्पादों का निर्यात करने लगा है। दूसरे, पिछले लगभग 2 वर्षों से रूस ने भी ऊर्जा की आपूर्ति यूरोप के देशों को रोक दी है, रूस द्वारा निर्यात की जाने वाली इस ऊर्जा का जर्मनी भी सबसे अधिक लाभ उठाता रहा है। तीसरे, जर्मनी में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और एक अनुमान के अनुसार जर्मनी में आगे आने वाले एक वर्ष से कार्यकारी जनसंख्या में प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की कमी आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे उपभोक्ता खर्च पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। चौथे, जर्मनी में नागरिकों की उत्पादकता भी कम होती जा रही है। जर्मनी में प्रत्येक नागरिक वर्ष भर में केवल 1300 घंटे का कार्य करता है जबकि OECD देशों में यह औसत 1700 घंटे का है। पांचवे, यूरोपीयन यूनियन में वर्ष 2035 में पेट्रोल एवं डीजल पर चलने वाले चार पहिया वाहनों के उत्पादन पर रोक लगाई जा सकती है जबकि इन कारों का निर्माण ही जर्मनी में अधिक मात्रा में होता है तथा जर्मनी की कार निर्माता कम्पनियों ने बिजली पर चलने वाले वाहनों के निर्माण में अभी बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया है। साथ ही, जर्मनी ने नवाचार पर भी कम ध्यान दिया है एवं स्टार्ट अप विकसित करने में बहुत पीछे रहा है आज इन क्षेत्रों में अमेरिका एवं चीन बहुत आगे निकल गए हैं एवं जर्मनी आज अपने आप को असहाय सा महसूस कर रहा है। अतः जर्मनी अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव आगे आने वाले लम्बे समय तक चलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव भी जर्मनी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है एवं अब पूरे विश्व में गैरवैश्वीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। आज प्रत्येक विकसित एवं विकासशील देश अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वावलंबी बनना चाहता है। अतः जर्मनी जैसे देशों से मशीनरी एवं कारों का निर्यात कम हो रहा है साथ ही इन उत्पादों की तकनीकि भी लगातार बदल रही है जिसे जर्मनी की विनिर्माण इकाईयां उपलब्ध कराने में असफल सिद्ध हुई हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान जर्मनी अर्थव्यवस्था में विकास दर हासिल नहीं की जा सकी है।

जर्मनी में सितम्बर 2023 माह में वोक्सवेगन ([illegible]) कम्पनी ने अपनी दो विनिर्माण इकाईयों को बंद करने का निर्णय लिया है। इस कम्पनी जर्मनी में 3 लाख से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराती है तथा अन्य लाखों नागरिकों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस कम्पनी ने जर्मनी में अपनी विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन कार्य को काफी हद तक कम कर दिया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से इस कम्पनी के उत्पादों की बिक्री लगातार कम हो रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इस कम्पनी की बाजार कीमत आधे से भी कम रह गई है। इस कम्पनी की उत्पादन इकाईयों में चार पहिया वाहनों का निर्माण किया जाता रहा है परंतु अब इन उत्पादन इकाईयों में बिजली पर चलने वाली कारों के निर्माण में बहुत परेशानी आ रही है। बिजली पर चलने वाली कारों का जर्मनी में उत्पादन बढ़ाने के बजाय अब चीन से इन कारों का बहुत भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। अपनी आर्थिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जर्मनी ने यूक्रेन को टैंकों की आपूर्ति भी बंद कर दी है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद से ही, वर्ष 2020 के बाद से, जर्मनी की अर्थव्यवस्था अभी तक सही तरीके से पूरे तौर पर उबर ही नहीं सकी है।

एक अनुमान के अनुसार जर्मनी अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2024 में भी कम होने जा रहा है, यह वर्ष 2023 में भी कम हुआ था एवं इसके वर्ष 2025 में भी सुधरने की सम्भावना कम ही दिखाई दे रही है। जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 के दौरान 0.1 प्रतिशत की कमी की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बेरोजगारी की दर भी 6.1 प्रतिशत के स्तर तक ऊपर जा सकती है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था केवल चक्रीय ही नहीं बल्कि संरचनात्मक क्षेत्र में भी समस्याओं का सामना कर रही है। इसमें सुधार की कोई सम्भावना आने वाले समय में नहीं दिख रही है। हालांकि यूरोपीयन यूनियन में जर्मनी की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है परंतु फिर भी भारत, उक्त कारणों के चलते, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मार्च 2026 तक पीछे छोड़ देगा, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

इसी प्रकार, पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान जापान की अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति, ब्याज दर एवं येन की कीमत स्थिर रही है। परंतु, हाल ही के समय में येन का अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवमूल्यन हो रहा है एवं यह 160 येन प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर आ गया है, जो वर्ष 2009 के बाद से कभी नहीं रहा है। जापान की अर्थव्यवस्था कई उत्पादों के आयात पर निर्भर करती है। जापान अपनी ऊर्जा की आवश्यकताओं का 90 प्रतिशत एवं खाद्य सामग्री का 60 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। जापान द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने से जापान में भी आयातित मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है जो पिछले एक दशक के दौरान लगातार स्थिर रही है।

वर्ष 1955 से वर्ष 1990 के बीच जापान की अर्थव्यवस्था औसत 6.8 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से आगे बढ़ती रही। वर्ष 1990 तक जापान का स्टॉक मार्केट लगातार बढ़ता रहा एवं अचानक वर्ष 1990 में यह बुलबुला फट पढ़ा और जापान में आवासीय मकानों की कीमत 50 प्रतिशत तक गिर गई एवं व्यावसायिक मकानों की कीमत 85 प्रतिशत तक गिर गई। जापान के पूंजी बाजार में निक्के स्टॉक सूचकांक भी 75 प्रतिशत तक गिर गया।

जापान की अर्थव्यवस्था में तेजी के दौरान आस्तियों की बढ़ी हुई कीमत पर ऋण लिए गए थे परंतु जैसे ही इन आस्तियों की कीमत बाजार में कम हुई, नागरिकों को ऋणराशि की किश्तें चुकाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और इससे भी जापान में आर्थिक समस्याएं बढ़ी थी। दिवालिया होने वाले नागरिकों की संख्या बढ़ी और देश में अपस्फीति की समस्या प्रारम्भ हो गई थी। जापान की सरकार ने आर्थिक तंत्र में नई मुद्रा की मात्रा बढ़ाई और ब्याज दरें लगभग शून्य कर दिया। इन समस्त उपायों से भी जापान में आर्थिक समस्याओं का हल नहीं निकल सका। वर्ष 2022 में जापान में भी विश्व के अन्य देशों की तरह मुद्रा स्फीति बढ़ने लगी थी परंतु जापान ने ब्याज दरें को नहीं बढ़ाया। अब कुल मिलाकर जापान अपनी आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है एवं वहां पर आगे आने वाले समय में आर्थिक विकास के पटरी पर आने की सम्भावना कम ही नजर आती है अतः भारत जापान की अर्थव्यवस्था को मार्च 2025 तक पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

खेल-समाचार

भारतीय क्रिकेट टीम एक माह के ब्रेक के बाद अभ्यास के लिए मैदान में उतरी

19 सितंबर से बांग्लादेश के साथ खेलेगी पहला टेस्ट

चेन्नई (ईएमएस)। बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के लिये चेन्नई पहुंची भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां अभ्यास किया। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से पहला टेस्ट मैच खेलेगी। श्रीलंका दौरे के बाद से ही भारतीय टीम को पिछले एक माह से आराम मिला हुआ था। इसलिए आज अभ्यास सत्र में कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित पूरी टीम शामिल हुई। इसके अलावा नये गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ भी अभ्यास के दौरान उपस्थित थे। बीसीसीआई ने पहले दिन के अभ्यास की तस्वीरें सोशल मीडिया में साझा की हैं।''

इसमें टीम गंभीर, सहयोगी स्टाफ और कप्तान रोहित की बातों को ध्यान से सुन रही है। इससे पहले पीली जर्सी पहने रोहित सुरक्षाकर्मियों के घेरे में हवाई अड्डे से बाहर निकले जबकि विराट लंदन से सीधे ही यहां पहुंचे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बल्लेबाज केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार को ही यहां पहुंच गए थे। नये कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में यह भारतीय टीम की पहली टेस्ट सीरीज है। इसमें जीत कर भारतीय टीम बेहतर शुरुआत करना चाहेगी।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में आज पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

बीजिंग (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम शनिवार को हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने अंतिम लीग मुकाबले में पाकिस्तान से खेलेगी। भारतीय टीम अपने सभी चार मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाये रखना रहेगा। चार मैचों में चार जीत दर्ज करके भारतीय टीम अंकतालिका में अभी शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1 , मलेशिया को 8-1 और दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। वहीं पाकिस्तानी टीम ने मलेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला।

इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से हराया। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। उससे पहले चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि 2021 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ढाका में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने को लेकर उत्साहित हैं।

हरमनप्रीत ने कहा ,''मैं अपने जूनियर दिनों से ही पाक के कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलता आया हूं।'' उन्होंने कहा ,'' विश्व हॉकी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का कोई मुकाबला नहीं है । मुझे भरोसा है कि दुनिया भर में हॉकीप्रेमियों को इस मैच का इंतजार होगा।'' उन्हांने कहा ,'' इस मैच में पिछले परिणाम मायने नहीं रखेंगे।

वहीं पाक टीम के कप्तान अम्माद बट ने कहा ,'' भारत ने इस टूर्नामेंट में अब तक चैम्पियन की तरह खेला है। हमने भी मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार किया है और अनुशासित हॉकी खेली है। हम इस प्रदर्शन को बरकरार रखेंगे।''

बांग्लादेशी क्रिकेटर ने जीता दिल, पुरस्कार राशि रिक्शा चालक के परिवार को सौंपी

ढ़ाका (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में मिली टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले क्रिकेटर मेहदी हसन मिराज ने एक ऐसा काम किया है जिसकी सभी ने सराहना की है। मिराज ने मैन ऑफ द सीरीज की पुरस्कार राशि एक गरीब रिक्शा चालक के परिवार को द दी। इस उक्त रिक्शा चालक की बांग्लादेश में हाल ही में आरक्षण के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान मौत हो गई थी।

मिराज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह एक रिक्शा चालक के परिवार के साथ दिख रहे हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने किसी विदेशी दौरे पर प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता है। सभी जानते हैं कि हाल ही में हमारे देश में हुए आंदोलन से लोगों को काफी परेशानी हुई है। मैं इस मैन ऑफ द सीरीज पुरस्कार को उन लोगों को समर्पित करना चाहता हूँ जो इस दौरान मारे हुए थे। इसके इसके साथ ही पुरस्कार राशि मैं इस रिक्शा चालक के परिवार को देता हैं।

डायमंड लीग : नीरज और साबले पर रहेंगी नजरें

ब्रुसेल्स (ईएमएस)। 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडीइन स्टेडियम में होने वाली डायमंड लीग 2024 में भारत की उम्मीदें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले पर रहेंगी। इस साल डायमंड लीग के अंतिम संस्करण के रूप में विश्व के सबसे बेहतर एथलीट अपने-अपने वर्गों में जीत हासिल करने और अपना प्रभाव दिखाने का प्रयास करेंगे। पहले दिन 3000 मीटर स्टीपलचेज में साबले फाइनल में उतरेंगे। उन्हें सैबल सैमुअल फायरवु (इथियोपिया), अमोस सेरेम (केन्या), अब्राहम किबिवोट (केन्या) और गेटनेट वेले (इथियोपिया) जैसे प्रमुख दावेदारों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। वहीं दूसरे दिन नीरज भाला फेंक फाइनल में उतरेंगे। चोपड़ा वर्तमान में दोहा और लुसाने में अपने प्रदर्शन से 14 अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर हैं, उन्हें ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के जूलियन वेबर से टक्कर मिलेगी।

डायमंड लीग फाइनल में विश्व के दिग्गज एथलीट भाग लेंगे, इसमें पोल वॉल्टर आर्मंड मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन) और 400 मीटर बाधा दौड़ स्टार सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन (400 मीटर बाधा दौड़; यूएसए) जैसे कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले एथलीट भी शामिल हैं।

रोनाल्डो के फॉलोअर्स का आंकड़ा एक अरब पहुंचा

लिस्बन (ईएमएस)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोशल मीडिया में भी छाये रहते हैं। रोनाल्डो के नाम अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में एक अरब फॉलोअर्स का नया रिकार्ड बना है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। इससे पता चलता है कि दुनिया भर में उनके क्रितने सारे प्रशंसक हैं। साथ ही इससे उनके प्रभाव का भी अंदाजा होता है। इससे रोनाल्डो की वैश्विक आइकन के रूप में स्थिति और मजबूत हुई है।

रोनाल्डो के सोशल मीडिया फॉलोइंग में इंस्टाग्राम पर 639 मिलियन से ज़्यादा फॉलोअर्स, फेसबुक पर 170 मिलियन, एक्स में 113 मिलियन और यूटयूब पर 60.5 मिलियन सब्सक्राइबर हैं जबकि उन्होंने यूटयूब चैनल इस महीने की शुरुआत में ही लॉन्च किया था। इसके बाद भी यह अपने पहले दिन 15 मिलियन सब्सक्राइबर और पहले सप्ताह में 50 मिलियन तक पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले बांग्लादेश सीरीज में होगी भारतीय टीम की परीक्षा

मुम्बई (ईएमएस)। 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भारतीय टीम की परीक्षा हो जाएगी। भारतीय टीम के सामने बांग्लादेश काफी कमजोर है पर हाल में जिस प्रकार उसने पाकिस्तान को हराया है। उससे पता चलता है कि बांग्लादेश अब पहले जैसी नहीं रही। ऐसे में भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि बांग्लादेश के पास नाहिद राणा जैसे तेज गेंदबाज हैं।

वहीं नए कोच गौतम गंभीर के लिए चेन्नई में चार दिनों का कैंप टीम को नजदीक से समझने का अवसर प्रदान करेगा। हाल ही में श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम को एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठे हैं। गंभीर का कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ उनका अच्छा तालमेल देखा गया, जो टीम के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है।

बांग्लादेश और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए अहम रहेगी। भारत अभी शीर्ष पर हैं ऐसे में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल एक ड्रॉ की जरूरत रहेगी। ऐसे में भारतीय टीम बिना किसी अतिरिक्त दबाव के खेल सकेगी।

रोहित का ध्यान तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने पर रहेगा। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी के बाद उनके लिए फिटनेस को बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा मोहम्मद शमी की फिटनेस पर भी चयनकर्ताओं की नजरें होंगी। विराट कोहली से इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेग।

राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ती है हिन्दी भाषा

(14 सितम्बर हिन्दी दिवस पर विशेष)

किसी भी देश की भाषा और संस्कृति उस देश में लोगों को लोगों से जोड़े रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिन्दी और देवनागरी के मानकीकरण की दिशा में अनेक क्षेत्रों में प्रयास हुये हैं। हिन्दी भारत की सम्पर्क भाषा भी है। अतः हम कह सकते है की हिन्दी एक समृद्ध भाषा है। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिन्दी भाषा का बहुत बड़ा योगदान है। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है।

पिछले 71 सालों से हम प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी मनायेंगे। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है और दिन-प्रतिदिन इसमें और तेजी आ रही है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है जिसे देवभाषा भी कहा जाता है। माना जाता है कि हिंदी का जन्म भी संस्कृत भाषा से हुआ है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है।

अंग्रेजी व चीनी भाषा मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। नेपाल, पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी को हिंदी बोलना, लिखना, पढ़ना आता है। बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश की सरकारे तो हिंदी भाषियों द्वारा ही चलायी जा रही हैं। पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीबन एक सौ करोड़ से अधिक है। हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करने का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। भारत की मातृ भाषा हिन्दी को सम्मान देने के लिये प्रति वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है।

हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी भाषा समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है। यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है।

बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है।

हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना

(लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

हिंदी, भारत की मातृभाषा है। यह सबसे अधिक बोली जाने वाली और सम्मानित भाषाओं में से एक है। भारतीयों के लिए हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना है। 14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। इस दिन को इसलिए चुना गया क्योंकि यह ब्योहर राजेंद्र सिम्हा की जन्मतिथि है। वह एक प्रमुख हिंदी विद्वान थे और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे।हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य को एक साथ जोड़ने में एकीकृत भूमिका निभाती है। एक भाषा के रूप में हिंदी संचार के माध्यम के रूप में कार्य करती है जो लोगों और क्षेत्रों को जोड़ती है, राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देती है। हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हिंदी दिवस पर, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि भारत कई क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के साथ भाषाई विविधता का देश है। हिंदी दिवस राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में हिंदी को कायम रखते हुए इस विविधता को संरक्षित और सम्मान करने की आवश्यकता की याद दिलाता है। हिंदी दिवस सिर्फ एक भाषा का उत्सव नहीं बल्कि भारत की विविधता में एकता का भी उत्सव है।14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य को एक साथ जोड़ने में एकीकृत भूमिका निभाती है। एक भाषा के रूप में हिंदी संचार के माध्यम के रूप में कार्य करती है जो लोगों और क्षेत्रों को जोड़ती है, राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देती है।हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर हमें अपनी भाषा का सम्मान करने और इसके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने की शपथ ले। हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। 26 जनवरी, 1950 को हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाया गया था, उसी दिन जब भारतीय संविधान लागू हुआ था। इस निर्णय को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया, जिसने अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी को भारत सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी, जिसका उपयोग एक संक्रमणकालीन अवधि के लिए किया जाना था।14 सितंबर वह दिन है जब भारतीय हर साल हिंदी दिवस मनाते हैं। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जो हिंदी भाषा के महत्व और योगदान को उजागर करता है।हिंदी दिवस का पहली बार मनाया जाना 1949 में हुआ था। उस समय, भारत की संविधान सभा ने हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। हिंदी दिवस को मनाने का निर्णय इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए लिया गया था।हिंदी भाषा भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह देश की विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों को जोड़ने में मदद करती है। हिंदी भाषा का व्यापक रूप से भारत में और दुनिया भर में उपयोग किया जाता है। यह शिक्षा, व्यापार, और सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में कविता पाठ, नाटक, गायन, और भाषण शामिल होते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को हिंदी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।हिंदी दिवस का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ने से देश की एकता और राष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने में मदद मिली है। हिंदी भाषा का व्यापक उपयोग भारत के विकास और प्रगति में भी योगदान देता है।हिंदी दिवस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करता है और इसके विकास को बढ़ावा देता है। हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ने से भारत की एकता और राष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है। हमें हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा का सम्मान करना चाहिए और इसका उपयोग बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए। समय के साथ, आधुनिकीकरण के इस दौर में विकसित होने के साथ-साथ हमारा हिंदी का ज्ञान भी कम होता जा रहा है। इस प्रकार, हिंदी दिवस का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण हिंदी को एक भाषा के रूप में बढ़ावा देना है। दूसरा कारण राष्ट्र में भाषाई इकाइयों को बढ़ावा देना है। हिंदी दिवस का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत और बहुभाषावाद को बढ़ावा देना भी है। इससे हम अपनी राष्ट्रीय पहचान, शिक्षा और साक्षरता की रक्षा कर सकते हैं। दार्शनिकों और महान शिक्षाविदों ने कहा है कि जो राष्ट्र अपनी भाषा का सम्मान और पालन नहीं करता, उसका विनाश आसान होता है। हिंदी ने साहित्य, कला, संगीत, और फिल्म उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी साहित्य की अनगिनत रचनाएँ, जैसे कि प्रेमचंद की कहानियाँ, हरिवंश राय बच्चन की कविताएँ, और अनेक आधुनिक लेखकों की कृतियाँ, हमारे मन और आत्मा को छू जाती हैं। हिंदी भाषा ने हमें एक समान मंच प्रदान किया है जहां हम अपनी भावनाओं, विचारों और संस्कारों को साझा कर सकते हैं।हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका केवल साहित्यिक या सांस्कृतिक संदर्भ में ही नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक और राष्ट्रीय एकता को भी सुदृढ़ करती है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में, हिंदी एक ऐसा साझा माध्यम है जो विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच समझ और संवाद का पुल तैयार करता है। इस प्रकार, हमें अपनी विरासत को जीवित रखना चाहिए और अपनी भावी पीढ़ियों और उनकी जड़ों के ज्ञान को मजबूत करने के लिए इसका पालन करना चाहिए। आइए मिलकर इस हिंदी दिवस को मनाएं।

पाकिस्तान में सेना और आईएसआई के खिलाफ हड़ताल पर गयी पुलिस

इस्लामाबाद (ईएमएस)। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में पुलिस हड़ताल पर चली गई है। पुलिस का कहना है कि इस क्षेत्र से खुफिया एजेंसियों और सेना को बाहर किया जाए। पांच दिनों से पुलिस की हड़ताल जारी है। 9 सितंबर को सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने इंडस हाइवे पर चक्काजाम कर दिया था। यह हाइवे पेशावर से कराची को जोड़ता है। खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवात में पुलिस ने यह प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि सेना उनके काम में दखलअंदाजी करती है।

आसपास के जिले के पुलिस अधिकारी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इनमें बन्नू, डेरा इस्माइल खान और टांक जिलों के पुलिस अधिकारी शामिल थे। पुलिसवालों का समर्थन करने के लिए कई रानजीतिक दल भी साथ खड़े हो गए। प्रदर्शनकारी पुलिसवालों का कहना था कि आईएसआई और सैन्य खुफिया एजेंसियां इस इलाके का माहौल खराब कर रही हैं। उनके बहुत सारे साथियों को किडनैप कर लिया गया है या फिर तालिबानी लड़ाकों ने मार दिया है।

उनका कहना है कि पिछले कुछ साल में बन्नू, डेरा इस्माइल खान और लक्की मारवात में कई पुलिसकर्मियों को किडनैप कर लिया गया। वहीं पुलिसकर्मियों के परिवार और घर को भी टारगेट किया जाता है। बता दें कि पाकिस्तान में शायद यह पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी विरोध पर उतर आए हैं।

बता दें कि खैबर पख्तूनख्वा में सेना बड़ी संख्या में मौजूद है। खास तौर पर अफगानिस्तान से सटी सीमा के इलाकों में सेना ने कब्जा कर रखा है। यहां तालिबान और कई अन्य संगठनों से लड़ाई भी चलती रहती है। पुलिस अधिकारियों ने यहां एंटी पोलियो टीम के साथ भी काम करने से इनकार कर दिया है। बीते दिनों पोलियो डयूटी के दौरान ही एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी गई थी। हाल में ही खैबर पख्तूनख्वा में कई जगहों पर आतंकी हमलों में पुलिसवालों की जान चली गई।

हरियाणा:भाजपा-कांग्रेस के 91 बागियों ने भी निर्दलीय या दूसरे दलों से पर्चे भरे

हरियाणा (ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का दौर खत्म हो गया है। 1700 से ज्यादा उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है। भाजपा-कांग्रेस के 136 में से 91 बागियों ने भी निर्दलीय या दूसरे दलों से पर्चे भर दिए। नामांकन के आखिरी दिन गुरुवार को कांग्रेस में 33, भाजपा में 16 सीटों पर बगावत हुई। वहीं, दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं ने इन्हें मनाने व नाम वापसी के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

कांग्रेस में टिकट कटने के चलते अब तक कुल 37 सीटों पर 59 नेता बागी हुए हैं। 31 सीटों पर 44 नेताओं ने निर्दलीय या दूसरी पार्टियों से नामांकन किया है। पानीपत शहरी सीट से पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी, पानीपत ग्रामीण से पूर्व पार्षद विजय जैन ने भी इस्तीफा दे आजाद के तौर पर नामांकन किया है। वहीं, भाजपा में कुल 49 सीटों पर 78 बागी हैं। 34 सीटों पर 47 नेता निर्दलीय या दूसरे दलों से उतरे हैं। पूर्व मंत्री व देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने हिसार, सीएम के मीडिया सलाहकार रहे राजीव जैन ने सोनीपत से निर्दलीय पर्चा भरा है। हालांकि, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रामबिलास शर्मा महेंद्रगढ़ से नाम वापस लेंगे। कांग्रेस ने भिवानी सीट गठबंधन में सीपीआईएम को दी है। उकलाना से सांसद कुमारी सैलजा की जगह पूर्व विधायक नरेश सेलवाल को उतारा। भाजपा व आप ही 90 सीटों पर लड़ रही हैं। इनेलो-बसपा-हलोपा का गठबंधन है। इनेलो 51, बसपा 37, हलोपा 1 सीट पर लड़ रही हैं। जजपा-एएसपी ने 85 प्रत्याशी उतारे हैं। हिसार से सावित्री जिंदल, गौतम सरदाना, रानियां से रणजीत सिंह, सोनीपत से राजीव जैन, तोशाम से शशिरंजन परमार, गन्नौर से देवेंद्र कादियान, लाडवा से संदीप गर्ग, भिवानी से विनोद चावला व प्रिया असीजा, अटेली से संतोष यादव, ने भी भाजपा छोड़ी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 71.77 अंक करीब 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 82,890.94 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक तकरीबन 0,13 फीसदी नीचे आकर 25,356.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एसबीआई, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और टीसीएस के शेयर भी उछले।

वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर लाल गिरावट पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एनटीपीसी और मारुति सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, रिलायंस, एचयूएल, कोटक बैंक, इंफोसिस, एलएंडटी, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये।

एशियाई बाजारों में आज टोक्यो और शंघाई के बाजार में गिरावट रही जबकि सियोल और हांगकांग के बाजार उछले। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो इनमें बढ़त रही। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक स्थिर रहा, जबकि स्मॉल कैप कोसडैक मामूली रूप से नीचे रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.43 फीसदी गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में भी 0.58 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक सबसे अलग रहा और इसमें 0.75 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिससे यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 8,148.7 के करीब पहुंच गया। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,294 पर थे, जो एचएसआई के अंतिम बंद स्तर 17,240 से अधिक थे। वहीं गत सत्र में बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी ने अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की। यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

बांग्लादेश में मोहम्मद अली जिन्ना को फादर ऑफ नेशन घोषित करने की मांग

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में पाकिस्तान के निर्माता कहे जाने वाले मोहम्मद अली जिन्ना को फादर ऑफ नेशन घोषित करने की मांग की गई है।

बुधवार को ढाका प्रेस क्लब में मोहम्मद अली जिन्ना की 76वीं पुण्यतिथि के मौके पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान जिन्ना को याद किया गया और मांग की गई कि मुजीबर रहमान की जगह उन्हें ही राष्ट्रपिता घोषित कर दिया जाए। बांग्लादेश 1971 में मुक्ति संग्राम के बाद अस्तित्व में आया था। मुख्य तौर पर बांग्ला और उर्दू भाषा को लेकर छिड़े विवाद के बाद यह आंदोलन शुरू हुआ था और पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाला हिस्सा बांग्लादेश के तौर पर एक अलग देश बन गया। उसी विरासत से अवामी लीग जुड़ी रही है, लेकिन अब शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद पाकिस्तान समर्थक तत्व हावी हैं।

पाकिस्तान की सेना के साथ मिलकर बांग्लादेश के ही लोगों से लड़ने वाले जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठन अब मजबूत होते दिख रहे हैं। बुधवार को नेशनल प्रेस क्लब ऑफ ढाका में आयोजन हुआ, जिसमें उर्दू शायरी पढ़ी गई और कुछ लोगों के भाषण भी हुए। इस दौरान एक मांग यह भी हुई कि बांग्लादेश के झंडे और राष्ट्रगान को भी बदला जाए। ऐसी मांग ने बांग्लादेश में उदारवादियों को करारा झटका दिया है और उनके लिए यह चिंता की बात है। बांग्लादेश के सोशल मीडिया में भी ऐसी मांग बढ़ रही है।

प्रेस क्लब में हुए आयोजन में कई वक्ताओं ने यहां तक कहा कि बांग्लादेश दो बार स्वतंत्र हुआ है। एक बार 14 अगस्त, 1947 में बांग्लादेश को आजादी मिली थी और फिर दूसरी बार 5 अगस्त, 2024 को ऐसा हुआ है। इस टिप्पणी में अहम बात यह है कि 1971 का जिक्र नहीं किया गया, जब बांग्लादेश बना था। इस तरह वक्ताओं ने पाकिस्तान से अलग होने को ही गलत करार दिया।

देश की सुरक्षा को अधिक से अधिक मजबूत करने के लिए भारत और फिलीपींस के बीच हुआ मंथन

मनीला(ईएमएस)। फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्टो सी टेओडोरो जूनियर ने भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरामने के साथ बैठक के दौरान क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। देश के राष्ट्रीय रक्षा विभाग (डीएनडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।भारतीय प्रतिनिधिमंडल की फिलीपींस यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संबंधों को गहरा करने के लिए दोनों देशों की आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। टेओडोरो ने अंतरराष्ट्रीय कानून के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों पर आधारित सहयोग के लिए एक रूपरेखा बनाने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता पर बल दिया। फिलीपींस के रक्षा सचिव नवंबर में लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक में आयोजित होने वाले आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे, इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंध और मजबूत होंगे।

विभाग ने बताया कि बुधवार को हुई बैठक फिलीपींस और भारत के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने की दिशा में एक और कदम है। राष्ट्रीय रक्षा सचिव (एसएनडी) टेओडोरो ने दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया, विशेष रूप से क्षेत्र में कानून के शासन को बनाए रखने के लिए। रक्षा प्रमुख ने आत्मनिर्भर रक्षा मुद्रा के लिए फिलीपींस की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। उन्होंने सैन्य-से-सैन्य जुड़ाव और सहयोग के लिए आगे के अवसरों का भी स्वागत कियासचिव अरामाने ने कानून के शासन के मजबूत पालन के लिए फिलीपींस की सराहना की साथ ही अनुभवों और प्रौद्योगिकियों को साझा करने के माध्यम से रक्षा संबंधों को बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 2024 में मंत्री स्तर की वार्ता के लिए तियोडोरो को भारत आने का निमंत्रण भी दिया। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ है। बुधवार को अरामाने ने मनीला में भारत-फिलीपींस संयुक्त रक्षा सहयोग सामिति (जेडीसीसी) की पांचवीं बैठक की सह-अध्यक्षता की, जिसमें उनके समकक्ष और फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ अवर सचिव इरिनियो क्रूज एस्पिनो भी शामिल थे।

देशभर में फिर बढ़े सोने-चांदी के भाव

- सोने के भाव 73,250 रुपए, चांदी 87,800 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 304 रुपये की तेजी के साथ 73,128 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 416 रुपये की तेजी के साथ 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉट्रेक्ट 511 रुपये की तेजी के साथ 87,606 रुपये पर खुला। इस समय यह 685 रुपये की तेजी के साथ 87,780 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,587.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,580.60 डॉलर प्रति औंस था। इस यह 12.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,593.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.23 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.10 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 30.302ट डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश की मजबूत बुनियाद बताता है आर्थिक वृद्धि परिदृश्यः शक्तिकान्त दास

सिंगापुर (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने ब्रेटन वुड्स कमेटी सिंगापुर द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 में शुक्रवार को कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि को वृहद आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के कारण आए गंभीर संकट से उबर गई और इसकी 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रही। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वास्तविक जीडीपी यानी आधार मूल्य पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा ?कि यह वृद्धि दृष्टिकोण भारत के वृहद आर्थिक बुनियाद की ताकत को दिखाता है।

इसमें घरेलू तत्व निजी खपत और निवेश प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। दास ने मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि यह अप्रैल, 2022 के 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे में आ गई है, लेकिन हमें अभी भी एक दूरी तय करनी है और हम दूसरा तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। रिजर्व बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा ?कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही। जुलाई में यह पांच साल के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर थी। राजकोषीय मजबूती जारी है और मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा है। कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है, जिससे उनके कर्ज में कमी आई है और लाभ के कारण मजबूत वृद्धि संभव हुई है। गवर्नर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का बहीखाता भी मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा ?कि हमारे परीक्षणों से पता चलता है कि ये वित्तीय इकाइयां गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी नियामकीय पूंजी और नकदी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगी।

भारतीय कंपनियां बहरीन में करेगी 1.66 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। बहरीन आर्थिक विकास बोर्ड (बहरीन ईडीबी) ने विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और आईसीटी के क्षेत्रों में तीन प्रमुख भारतीय कंपनियों से 1.66 करोड़ डॉलर की निवेश प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं। ये घोषणाएँ बहरीन ईबीडी की मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई की चल रही सप्ताह भर की यात्रा के दौरान की गईं,

सुनीता और विल्मोर की टली वापसी, फरवरी तक अंतरिक्ष में करेंगे क्या?

-नासा ने बदला दोनों यात्रियों का शिडयूल, एक्सरसाइज की टाइमिंग बढ़ाई

वाशिंगटन,(ईएमएस)। आजकल सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर की वापसी को लेकर भारत ही दुनिया में काफी चर्चाएं हो रही हैं कि वह धरती पर कब लौटेंगी। इसको लेकर नासा भी आए दिन अपडेट देता रहता है। बता दें इसी साल जून में एक हफ्ते के लिए अंतरिक्ष यात्रा पर गईं सुनीता और विल्मोर वहां फंस गए हैं। आठ दिन का उनका मिशन करीब आठ महीने के मिशन में बदल चुका है।

सुनीता और उनके साथी एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक गया बोइंग का पहला अंतरिक्ष यात्री मिशन 'स्टारलाइनर' धरती पर लौट चुका है। तकनीकी समस्या के चलते सुनीता और विल्मोर वापस नहीं लौटे। नासा ने दोनों को लाने के लिए स्पेसएक्स भेजने का फैसला लिया है लेकिन स्पेसएक्स का प्रक्षेपण तय समय के मुताबिक हो नहीं पाया। सितंबर के आखिर तक स्पेसएक्स को अंतरिक्ष के लिए रवाना होना था, लेकिन अब यह टल चुका है। ऐसे में सुनीता और वुल्मोर की वापसी के लिए फरवरी 2025 का समय तय किया गया है। सवाल उठ रहा है कि इतने लंबे समय तक सुनीता और विल्मोर कहां रहेंगे और क्या करेंगे? अगर कोई इमरजेंसी हो गई तो फिर इन दोनों का क्या होगा? लेकिन घबराने की जरुरत नहीं है।

बता दें नासा ने वहां एक अड्डा बना रखा है, जिसका नाम है इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस)। आसान भाषा में कहें तो कुछ-कुछ एयरपोर्ट जैसा, जहां ढेरों विमान टेक ऑफ और लैंडिंग करते हैं। हालांकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन इससे कहीं ज्यादा एडवांस, सुरक्षित और सुविधाजनक होता है। नासा के मुताबिक यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पिछले 25 साल से अंतरिक्ष में है 270 से ज्यादा अंतरिक्ष यात्री इसकी यात्रा कर चुके हैं। अब फरवरी 2025 तक सुनीता और विल्मोर का यही ठिकाना होगा।

नासा का स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में सबसे बड़ा आर्टिफिशियल ऑब्जेक्ट है। इसे ऐसा बनाया गया है कि यह सभी तरह की इमरजेंसी से निपट सकता है। यहां पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग भी इसी तरह से होती है कि यह अलग-अलग हालात का सामना कर सकें। स्पेस स्टेशन में सब-कुछ ठीक से होता रहे इसके लिए जमीन पर नासा ने मिशन कंट्रोल सेंटर बना रखा है। यह अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में स्थिति है, जिसका नाम जॉनसन स्पेस सेंटर है। यहां से आईएसएस में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों से लगातार संवाद होता रहता है।

सुनीता और विल्मोर ने बोइंग स्टारलाइनर में खराबी की बात इसी मिशन कंट्रोल को बताई थी। यहां मौजूद वैज्ञानिक स्पेस स्टेशन से जुड़ी सभी गतिविधियों पर नजर रखते हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष में गिरने वाले कचरे या मीर स्पेस स्टेशन पर आग जैसी घटनाओं को देखते हुए भी एहतियात बरता जाता है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर खुद का ऑक्सीजन जेनरेटिंग सिस्टम लगा हुआ है। यह कार्बन डाईऑक्साइड से करीब 50 फीसदी ऑक्सीजन रीस्टोर करता है। यहां एक खास किस्म का रिसाइक्लिंग सिस्टम लगा है। यह यूरीन और पसीने की नमी को पीने के पानी में बदल देता है। इस स्पेस स्टेशन पर एस्ट्रोनॉट्स को डिहाइड्रेटेड और रेडी टू ईट खाना मिलता है। यह खाना नासा के स्पेस फूड सिस्टम लैबोरेटरी, ह्यूस्टन में तैयार किया जाता है। इसके अलावा फिटनेस को ध्यान में रखते हुए एक्सरसाइज वगैरह करने के लिए मशीनें भी इंस्टॉल की गई हैं।

सवाल उठता है कि कोई इमरजेंसी हुई तो स्पेस स्टेशन में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों का क्या होगा? यहां मिशन कंट्रोल टीम हर समय हर पल नजर रखती है। स्पेस स्टेशन में मौजूद लोग या यहां पर मौजूद टीम स्पेस स्टेशन से रियल टाइम कांटैक्ट कर सकती है। यह कुछ वैसा ही है जैसे इमरजेंसी में हम या आप किसी से फोन करके मदद मांग लें। बदतर से बदतर हालात से निपटने के लिए भी तैयारी रखी जाती है। सबसे खास बात यह है कि इंटरनेशनल स्टेशन पर इस वक्त पांच स्पेसक्राफ्ट पार्क करके रखे गए हैं। इनमें सबसे लेटेस्ट रूस का स्पेसक्राफ्ट है जो 11 सितंबर 2024 को वहां पहुंचा है

आखिर इतने लंबे समय तक सुनीता और विल्मोर स्पेस स्टेशन पर करेंगे क्या? नासा के मुताबिक यह दोनों बेहद अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। विल्मोर नेवी से रिटायर्ड हैं। यह दोनों स्पेस स्टेशन में मौजूद अन्य एस्ट्रोनॉट्स के साथ स्टेशन की मरम्मत और मेंटेनेंस में लगे रहेंगे। इसके अलावा एक्सपेरिमेंट्स और रिचर्स से जुड़े काम भी करते रहेंगे। अब चूंकि दोनों को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहना है, इसलिए सुनीता और विल्मोर का शिडयूल भी बदला दिया गया है। नासा के मुताबिक उनकी फिटनेस के लिए एक्सरसाइज का शिडयूल बढ़ाया गया है। इसके मुताबिक उन्हें हर रोज ढाई घंटे का एक्सरसाइज करनी होगी। इसमें 60 मिनट की वेटलिफ्टिंग, 30 से 35 मिनट रनिंग या साइक्लिंग शामिल है। इसके अलावा पढ़ना और पॉडकॉस्ट सुनना भी उनके रूटीन में शामिल किया गया है।

रूस ने बांग्लादेश से ब्याज के 5300 करोड़ मांगे

15 सितंबर तक की दी मोहलत; अडाणी के भी 6700 करोड़ चुकाने होंगे

ढाका(ईएमएस)। रूस ने बांग्लादेश से रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए दिए गए कर्ज का ब्याज चुकाने को कहा है। यह ब्याज 630 मिलियन डॉलर (करीब 5,300 करोड़ रुपए) है। रूसी अधिकारियों ने ब्याज चुकाने के लिए 15 सितंबर तक की डेटलाइन दी है। रूसी अधिकारियों ने 21 अगस्त को बांग्लादेश की इकोनॉमिक रिलेशन डिविजन को चिटठी लिखी थी। यह चिट्ठी अब जाकर स्थानीय पत्रकारों तक पहुंची है।

इसमें इकोनॉमिक रिलेशन डिविजन से कहा गया है कि बकाए का भुगतान अमेरिकी डॉलर या फिर चीनी युआन में किया जाए। उन्होंने इसे बैंक ऑफ चाइना की शंघाई शाखा में जमा करने को कहा है। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद ये पैसा चुकाने की जिम्मेदारी अंतरिम सरकार पर आ गई है। इससे पहले अडाणी ग्रुप ने भी बांग्लादेश से बिजली बिल का 800 मिलियन डॉलर (करीब 6,700 करोड़ रुपए) बकाया मांगा था।

रूस ने सिर्फ 4 फीसदी ब्याज पर कर्ज दिया

रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए बांग्लादेश को 12.65 बिलियन डॉलर (1.06 लाख करोड़ रुपए) कर्ज दिया था। वह इस पर 4 प्रतिशत के हिसाब से ब्याज ले रहा है। शर्तों के मुताबिक देरी होने पर बांग्लादेश को 2.4 प्रतिशत और ज्यादा यानी कि 6.4 प्रतिशत के हिसाब से ब्याज चुकाना पड़ सकता है। 15 सितंबर को रविवार है। इसके अगले दो दिन यानी कि 16 और 17 सितंबर को चीन में बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में बांग्लादेश के पास 18 तारीख तक कर्ज का ब्याज जमा करने का वक्त है।

बोइंग के कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में किया मतदान

सिएटल (ईएमएस)। एयरलाइन बोइंग के कर्मचारियों (मशीनिस्ट) ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में मतदान किया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स ने कहा कि उसके सदस्यों ने एक अनुबंध को अस्वीकार कर दिया, जिसके तहत चार वर्षों में वेतन में 25 प्रतिशत की वृद्धि की जानी थी। अनुबंध को अस्वीकार करने के पक्ष में 94.6 प्रतिशत वोट पड़े और हड़ताल करने के पक्ष में 96 प्रतिशत वोट पड़े। हड़ताल करने के लिए 33,000 कर्मचारियों में से दो-तिहाई वोट की आवश्यकता थी। जब तक हड़ताल जारी रहेगी, तब तक बोइंग को इस समय उसके लिए बहुत जरूरी नकदी नहीं मिल पाएगी, जो उसे एयरलाइनों को नए विमान देने से मिलती है।

यह नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केली ऑर्टबर्ग के लिए एक और चुनौती होगी, जिन्हें छह सप्ताह पहले एक ऐसी कंपनी को फिर से खड़ा करने का काम दिया गया था, जिसने पिछले छह सालों में 25 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान उठाया है और यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी एयरबस से पीछे रह गई है।ऑर्टबर्ग ने मशीनिस्टों को चेतावनी दी कि हड़ताल के कारण बोइंग का सुधार खतरे में पड़ जाएगी और एयरलाइन ग्राहकों की नज़र में कंपनी के बारे में और संदेह पैदा होगा। कर्मचारी सुनने के पक्ष में नहीं हैं।

सीबीआईसी ने बेंगलुरु के सीजीएसटी अधिकारियों को किया निलंबित

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। सीबीआईसी ने शुक्रवार को बताया कि बेंगलुरु ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है। सीबीआईसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है।

पुतिन से मिले अजीत डोभाल

सेंट पीटर्सबर्ग(ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच सेंट पीटर्सबर्ग में मुलाकात हुई। इसका 51 सेकेंड का वीडियो शुक्रवार को सामने आया। इस दौरान डोभाल ने पीएम मोदी के यूक्रेन विजिट की जानकारी पुतिन को दी। एनएसए ने बताया कि जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आपसे टेलीफोन पर बातचीत की थी, वह आपको अपनी यूक्रेन यात्रा और राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ हुई मुलाकात के बारे में जानकारी देने के लिए उत्साहित थे। वह चाहते थे कि मैं रूस जाऊं और व्यक्तिगत रूप से खासतौर पर आपसे मिलूं और आपको उस बातचीत के बारे में बताऊं। दोनों के बीच बातचीत बहुत क्लोज फॉर्मेट में हुई। इसमें केवल 2 नेता थे। उनके साथ उनके 2 लोग थे, जिसमें मैं भी प्रधानमंत्री के साथ था। मैं इस बातचीत का गवाह हूं।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके अधिकारियों के बैंक खाते होंगे कुर्क

- 25 करोड़ बकाया नहीं चुकाया, सेबी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार ?नियामक सेबी ने एक स्टॉक ब्रोकिंग फर्म के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने करीब 25 करोड़ रुपये की बकाया वसूली के लिए कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर सी पार्थसारथी के बैंक खातों के साथ शेयरों एवं म्यूचुअल फंड संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया है। इंडियन सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सात अगस्त को कार्वी और पार्थसारथी को एक नोटिस भेजकर उन्हें पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) का दुरुपयोग कर ग्राहकों के फंड के दुरुपयोग करने से संबंधित मामले में 15 दिन के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था। सेबी की तरफ से लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में नाकाम रहने पर बाजार नियामक ने कुर्की का नोटिस भेजा है। सेबी ने अप्रैल, 2023 में कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और पार्थसारथी पर प्रतिभूति बाजार से सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। इसके अलावा पावर ऑफ अटॉर्नी का दुरुपयोग कर ग्राहकों के धन की हेराफेरी करने के लिए उन पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। नियामक ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) पर 13 करोड़ रुपये और प्रवर्तक चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पार्थसारथी पर आठ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। सेबी ने चार अलग-अलग कुर्की नोटिस में लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए दोनों इकाइयों के बैंक खाते, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। नोटिस के अनुसार, केएसबीएल और पार्थसारथी पर क्रमशः 15.34 करोड़ रुपये और 9.44 करोड़ रुपये का बकाया था, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल है।

असम से बिहार तक बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। कच्चे तेल में लगातार गिरावट के बाद अब हल्की तेजी ?दिखाई दे रही है। वै?श्विक बाजार में क्रूड 69.34 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 72.33 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। कच्चे तेल के भावों का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर असर दिखता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के दाम अपडेट कर दिए हैं। शुक्रवार को देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 0.23 और 0.22 पैसे महंगा हुआ है। वहीं राज्यों में असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और दमन-द्वीप में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। उधर आंध्र प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

चालू वित्त वर्ष में छह लाख सीएनजी वाहन की ब्रिकी करने की योजना

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। प्रमुख वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) चालू वित्त वर्ष (2024-25)मेंकरीब छह लाख सीएन जी वाहन बेचने की योजना तैयार कर रही है। यह पिछले वित्त वर्ष (2023-24) की तुलना में करीब 25 प्रतिशत अधिक है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने अपने सीएनजीमॉडल उत्पादों का विस्तार कर अपनी प्रीमियम हैचबैक स्विफ्ट को एस-सीएनजी के साथ बाजार में उतारा। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बतायाकि चालू वित्त वर्ष में हमारा लक्ष्य करीब छह लाख सीएनजी गाड़ियां बेचने का है। पिछले साल कंपनी ने करीब 4.77 लाख सीएनजी वाहनों की बिक्री की थी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्तकी अवधि में वाहन प्रमुख ने अब तक 2.21लाख गाड़ियां बेची हैं।

दुनियाभर के शातिर अपराधियों से क्यों संपर्क साध रहा ईरान

तेहरान (ईएमएस)। ईरान का इजरायल और अमेरिका से छत्तीस का आंकडा है। हालिया महीनों में कई दफा ईरान और इजरायल के सीधे युद्ध में जाने का अंदेशा पैदा होता रहा है। इस बीच दावा किया गया है कि ईरान विरोधियों को निपटाने के लिए छद्म युद्ध का तरीका अपना रहा है। ईरानी सरकार अपने विरोधियों खासतौर से पश्चिम के देशों के लिए एक खतरनाक प्लान बना रहा है। इन देशों में अपने दुश्मनों को निपटाने के लिए वह गुप्त रूप से आपराधिक गिरोहों और गुंडों का गैंग बनाया है। रिपोर्ट कहती है कि अंडरवर्ल्ड से जुड़े कुख्यात समूहों के हत्यारों को ईरानी सरकार यूरोप और अमेरिका के अंदर हमले और अपहरण करने के कॉन्ट्रैक्ट दे रही है। ईरान के सीक्रेट वॉर में हेल्स एंजल्स बाइकर गिरोह, रूसी गिरोह चर इन लॉ और दुनिया के दूसरे आपराधिक गिरोहों के हत्यारे शामिल हैं। इतना ही नहीं ईरानी शासन की आलोचना करने वाली राजनीतिक हस्तियों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि हाल के वर्षों में ईरान ने पश्चिमी धरती पर अपनी साजिशों को अंजाम देने के लिए अपराधियों के साथ संपर्क किया है। यूरोपीय संसद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉक्टर एलेजो विडाल-क्वाड्रास को पिछले नवंबर में स्पेन के मैड्रिड में बाइक सवार ने गोली मार दी थी। उन्होंने तेहरान पर उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी दावा किया है कि ईरान ने उनका अपहरण करने या मारने के लिए सुपारी दी थी।

ब्रिटेन में रहने वाले ईरान के राष्ट्रीय प्रतिरोध समिति (एनसीआरआई) के सदस्य होसैन अबेदिनी को भी कई बार मारने की कोशिश की गई। तुर्की में उन पर हमला किया गया और गोली लगने के बाद वह इस्तांबुल के अस्पताल में 50 दिन तक भर्ती रहे। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल में भी स्थानीय पुलिस अधिकारियों की ड्रेस पहनकर ईरानी एजेंटों ने उन्हें मारने की कोशिश की थी। अधिकारियों का मानना है कि उसे जर्मनी में हमलों को संगठित करने के लिए रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा काम सौंपा गया था।

ब्रिटेन की सड़कों पर ईरान द्वारा संचालित हिट स्क्वॉड को अधिकारियों ने करीब 15 हत्या या अपहरण की धमकियों के मामले से जोड़ा है। अधिकारियों ने माना कि 7 अक्टूबर के भयानक हमलों के बाद ब्रिटेन में रहने वाले ईरानी आलोचकों के खिलाफ खतरा काफी बढ़ गया है।

नई ईवी योजना में घटी सब्सिडी, लेकिन फेम योजना के मुकाबले कम प्रावधान

- सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत हो गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पेश नई योजना में सब्सिडी कम कर दी गई है। नई पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना से इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को राहत जरूर मिली है मगर फेम योजना के मुकाबले इसमें सब्सिडी का प्रावधान कम कर दिया गया है। विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि या सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत रह गई है। इलेक्ट्रिक कार खंड नई योजना की जद से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इस खंड में पहले 1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाती थी। केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को दी जाने वाली सब्सिडी धीरे-धीरे कम करना चाहती है। नई पीएम ई-ड्राइव उसी नीति का हिस्सा है। सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अब पहले से अधिक गहराई आ गई है और लोगों के बीच इनका इस्तेमाल अब बढ़ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि सब्सिडी में कमी जरूर एक बड़ा मुद्दा है मगर यह इलेक्ट्रिक वाहन प्रवर्द्धन योजना में दी जाने वाली सब्सिडी के लगभग बराबर ही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी में लगभग 85 प्रतिशत कमी कर दी गई है।

फेम-2 में 66,000 रुपये सब्सिडी मिलती थी मगर अब यह कम होकर 10,000 रुपये रह गई है। इलेक्ट्रिक तिपहिया (ई-3डब्ल्यू) के लिए सब्सिडी घटाकर लगभग 55 प्रतिशत कर दी गई है। पहले इन वाहनों पर 1,11,505 रुपये सब्सिडी मिलती थी जिसे घटाकर अब 50,000 रुपये कर दिया गया है। इलेक्ट्रिक बसों के मामले में भी सब्सिडी सीमा 50 लाख रुपये से घटाकर 35 लाख रुपये कर दी गई है। योजना के दूसरे वर्ष में अधिकतम प्रोत्साहन में और कमी आएगी यानी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए यह घटकर 5,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 25,000 रुपये रह जाएगी। सब्सिडी के संबंध में इस नई घोषणा से पहले केंद्र सरकार पिछले तीन वर्षों से प्रोत्साहन में कमी करती आ रही है। पहले फेम-2 के अंतर्गत अधिकतम सब्सिडी 1 जून 2023 से 66,000 रुपये से घटाकर 22,500 रुपये कर दी गई थी। फेम-2 समाप्त होने के बाद सरकार ने ईएमपीएस की शुरुआत की जिसके तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इस योजना के आने से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की सब्सिडी घटकर 10,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 50,000 रुपये रह गई।

लगातार घट रही जनसंख्या के चलते नई रिटायरमेंट पॉलिसी अगले साल1जनवरी से होगी लागू

कर्मचारियों के रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाएगा चीन

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने कर्मचारियों के रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने का फैसला किया है। चीन का ये फैसला देश की घटती आबादी और कर्मचारियों की बढ़ती उम्र के मद्देनजर लिया आया है। चीन फिलहाल दुनिया की सबसे युवा कर्मचारियों वाली अर्थव्यवस्था वाले देशों में शामिल है। चीन की नई रिटायरमेंट पॉलिसी अगले साल 1 जनवरी से लागू होगी। इस पॉलिसी के तहत पुरुषों के लिए रिटायरमेंट की उम्र को 60 साल से बढ़ाकर 63 साल किया जाएगा। ऑफिस वर्क करने वाली महिलाओं की रिटायरमेंट उम्र को 55 साल से बढक़र 58 साल होगी।

वहीं फैक्ट्री, कंस्ट्रक्शन या माइनिंग जैसे काम करने वाली महिलाओं की रिटायरमेंट उम्र को 50 साल से बढ़ाकर 55 साल किया जाएगा। ये पॉलिसी अगले 15 साल तक लागू रहेगी। चीन की जनसंख्या और अर्थव्यवस्था पर ऑस्ट्रेलिया की विक्टोरिया यूनिवर्सिटी में अध्ययन कर रही शोधकर्ता शियुजियान पेंग ने बताया कि चीन के अधिकांश लोग रिटायरमेंट की उम्र में पहुंच गए हैं। इस वजह से चीन के पेंशन फंड पर दबाव बढ़ गया है।

चीन में पेंशन लेने वाली आबादी 30 करोड़ के पार पहुंची

चीन में जीवन प्रत्याशा (अधिक समय तक जीना) अब अमेरिका से भी अधिक हो चुकी है। वल्र्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक चीन में जीवन प्रत्याशा 78 साल हो चुकी है। साल 1949 में कम्युनिस्ट क्रांति के समय ये सिर्फ 36 साल थी। अमेरिका में जीवन प्रत्याशा 76 साल है। चीन पेंशन विकास रिपोर्ट में कहा गया है कि रिटायरमेंट की उम्र कम से कम 65 साल की जानी चाहिए। पुरुषों और महिलाओं के लिए यह एक समान होनी चाहिए। चीन में पेंशन लेने वाली आबादी 30 करोड़ के पार चली गई है। इस वजह से सरकार को ज्यादा पेंशन देना पड़ रहा है। सरकार की सोच है कि ये पैसा लोगों को वेतन के रूप में दिया जाए, ताकि इसके बदले काम भी लिया जा सके। देश में आराम वाली नौकरी कम है और देर से रिटायर होने का मतलब ये है कि उन्हें पेंशन मिलने में देरी होगी, अधिकतर लोग ठीक से अपना बुढापा काट नहीं पाएंगे।

2023 में लगातार दूसरे साल घटी जनसंख्या

2023 में चीन की आबादी लगातार दूसरी बार कम हुई। इससे पहले 2022 में चीन के नेशनल बर्थ रेट में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई। चीन में साल 2023 में 90 लाख बच्चे पैदा हुए, जबकि साल 2022 में वहां 95 लाख बच्चे पैदा हुए थे। नेशनल ब्यूरो स्टेटिस्टिक्स के मुताबिक चीन में साल 2022 में बर्थ रेट 6.67 प्रतिशत था, जो साल 2023 में घटकर 5.7 प्रतिशत रह गया। इसका मतलब यह हुआ कि चीन में जहां साल 2022 में कुल हजार लोगों पर 6.67 बच्चों को जन्म होता था वो 2023 में घटकर 6.39 रह गया। साल 2022 में चीन की आबादी 1.4118 बिलियन थी जो साल 2023 में घटकर 1.409 बिलियन रह गई। यानी एक साल में कुल 27 लाख 5 हजार लोगों कम हुए। चीन की आबादी में वहां के 31 राज्यों के लोगों को गिना जाता है। इसमें हांगकांग, मैकाऊ और ताइवान शामिल नहीं हैं।

2016 से कम हो रही चीन की आबादी

चीन में जनसंख्या दर 2016 से ही कम हो रही है। तभी से चीन ने बच्चों की तादाद बढ़ाने के लिए लोकल लेवल पर काम करना शुरू कर दिया था। इसके लिए लोगों को पैसे भी दिए गए। सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स के अलावा उन्हें हाउसिंग और एजुकेशन डिस्काउंट की भी घोषणा की गई थी। साल 2021 के आते-आते चीन ने अपनी वन चाइल्ड पॉलिसी को भी हटा दिया। जिससे लोगों को केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी। चीन ने ऐलान किया था कि लोग अब 3 बच्चे पैदा कर सकते हैं। हालांकि उसका कुछ ज्यादा फायदा नहीं हुआ।

देहगाम के पास मेश्वो नदी में 8 लोग डूबे; 2 और लापता

अहमदाबाद, 13 सितम्बर

गांधीनगर: जहां गुजरात में गणेश विसर्जन के दौरान डूबने की घटनाएं सामने आई हैं,वहीं आज फिर गांधीनगर में एक हादसा हुआ,जहां गणेश विसर्जन के दौरान लोग डूब गए. वासना केसोगाथी गांव के पास 10 लोग डूब गए, जिनमें से 8 लोगों की मौत हो गई.जबकि डूबे दो अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है.

प्राप्त विवरण के अनुसार, गोझारी हादसा गांधीनगर के देहगाम के पास मेशवो नदी में हुआ। जिसमें गणेश पूजा करनेआए लोगों में से 10 लोग डूब गए, जिनमें से 8 लोगों की मौत हो गई. शोक ने गणेश महोत्सव के उत्सवी रंग को भंग कर दिया है। स्थानीय युवाओं ने डूब रहे लोगों को बचाने का प्रयास किया.

हादसे में मरने वाले आठ लोगों के नाम सामने आ गए हैं: चौहान सिद्धराज भालसिंह (17 वर्ष), चौहान राजकुमार बच्चूसिंह (28 वर्ष), चौहान युवराज सिंह प्रवीण सिंह (17 वर्ष), चौहान पृथ्वी दलपत सिंह (20 वर्ष), चौहान चिरागकुमार प्रकाश सिंह (19 वर्ष), सोलंकी विजयजी हालूसिंह (30 वर्ष), चौहान मुन्नाभाई दिलीप सिंह (23 वर्ष), चौहान राजकुमार बच्चूसिंह (28 वर्ष),

जहां गुजरात में गणेश विसर्जन के दो दिनों के दौरान डूबने की घटनाएं पहले ही हो चुकी हैं, वहीं आज फिर गांधीनगर से गणेश विसर्जन के दौरान लोगों के डूबने की खबरें आ रही हैं। वासा के सोगाथी गांव के पास 10 लोगों के डूबने की खबर है, जबकि 3 शव भी मिल रहे हैं.

हादसा गांधीनगर के देहगाम के पास मेशवो नदी में हुआ. यहां गणेश पूजा करने आए लोगों में से 10 लोग पानी में डूब गए, जिससे 10 लोगों की मौत हो गई. यहां त्योहार के रंग में भंग पड़ गया है. दो दिन पहले गणेश विसर्जन के दौरान गुजरात के पाटन की सरस्वती नदी और धोराजी की भादर नदी में डूबने से लोगों की जान चली गई थी. पाटन की सरस्वती नदी में गणेश डिस्चार्ज के दौरान सात लोग बैराज में डूब गए, जिसमें एक ही परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई. 4 घंटे की तलाश के बाद चार शव मिले।

अहमदाबाद में कई इलाकों में बारिश, गणेश मंडपो पर असर

अहमदाबाद, 13 सितम्बर

शुक्रवार को अहमदाबाद के मौसम में अचानक बदलाव के बाद शहर के कई हिस्सों में हल्की से तेज बारिश हुई, सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक नरोडा में सवा इंच से ज्यादा बारिश हुई मणिनगर में बारिश का पानी भर गया, रामोल, मेमको में एक इंच से ज्यादा बारिश हुई और शहर में सीजन में औसतन 10.32 मिलीमीटर बारिश हुई.

शुक्रवार रात करीब मौसम में बदलाव के बाद खड़िया, रायपुर, खानपुर समेत शहर के कई इलाकों में अचानक बारिश हुई और कई इलाकों में आयोजित गणेश उत्सव पर बारिश का असर देखने को मिला वासना बैराज पर योजना स्थल पर 133फीट का स्तर दर्ज किया गया एनएमसी से 8639 क्यूसेक और संत सरोवर से 459 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया, जबकि नदी में 8700 क्यूसेक पानी और नहर के गेट नंबर 25, 26, 28 पर 255क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया तीन फीट तक खुले थे.

बारिश के बाद बिगड़ रही महामारी, भरदा में चार शहर! दव लागी रे 'डुंगरी, हम ऐसा क्यों करें?

अहमदाबाद, 13 सितंबर

25 अगस्त और उससे पहले गुजरात में भारी बारिश, चाहे वह कच्छ हो, पोरबंदर हो, जूनागढ़ हो, सूरत हो या राजकोट हो। लंबी सेमी बारिश के परिणामस्वरूप अधिक दिनों तक जलभराव, अपर्याप्त स्वच्छता, जल निकासी सहित मौसमी और जल जनित बीमारियाँ होती हैं। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, सूरत के अलावा कच्छ पंथक में फैली बीमारी ने सरकार की नींद उड़ा दी है। मानसून के बाद निजी अस्पतालों में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले बढ़ गए हैं। निजी अस्पतालों में हर साल दस प्रतिशत मरीज बढ़ रहे हैं। चिकित्सा सूत्र बता रहे हैं कि इस वर्ष मच्छर जनित महामारी में 103 से 106 डिग्री बुखार की शिकायतें आ रही हैं।

पानी और पानी से होने वाली बीमारियों के लिए डॉक्टर सलाह देते हैं कि नागरिकों को अपने शरीर का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि मच्छर पूरे दिन काट सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों में मच्छर के काटने से लेकर आंखों का खराब होना (नेत्रश्लेष्मलाशोथ) भी देखा जाता है। बच्चों, बुजुर्गों को भी सलाह दी गई है कि बुखार होने पर इसे हल्के में न लें। एक मरीज को औसतन तीन से चार दिन तक अस्पताल में इलाज की जरूरत होती है। यदि निकट भविष्य में बारिश बढ़ी तो महामारी फिर से बढ़ सकती है।

सौराष्ट्र की राजधानी राजकोट में राजकोट सिविल अस्पताल और निजी अस्पतालों में मरीजों की भरमार है. राजकोट शहर में भारी बारिश और ग्रामीण इलाकों में जलभराव के कारण स्थिति गंभीर हो गई है. पिछले 15 दिनों में यहां वायरल और मच्छर तथा जलजनित महामारी बढ़ी है। डेंगू, मलेरिया, मौसमी बुखार और वायरल बीमारियों का ग्राफ बढ़ गया है। वर्तमान में भदवाड़ा में दोहरा मौसम एवं जलजनित महामारी बढ़ रही है।

जहां राजकोट पंथक में ही हैजा के 9 मामले सामने आए थे, वहीं पिछले हफ्ते अजीडेम के पास के दो इलाकों को हैजा प्रभावित घोषित किया गया था। शहर में डेंगू के 22 से अधिक मामले, जबकि टाइफाइड के 2 मामले और चिकनगुनिया और मलेरिया के महत्वपूर्ण मामले सामने आए हैं। मौसमी बुखार और वायरल बुखार के 1600 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। लोगों को मच्छरों से बचाने के लिए पानी में मच्छरों के काटने से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।

सीज़न की शुरुआत से ही दक्षिण गुजरात में मेघराजा ने कहर बरपा रखा है, सूरत, नवसारी, वलसाड, उमरपाड़ा जैसे जिलों में सीज़न की दोगुनी से भी ज्यादा बारिश हो चुकी है. अब भाद्रवा की गर्मी में भी मेगाडंबर का खतरा कम नहीं हुआ है. मौसम विभाग भी 13 से 16 सितंबर तक भारी बारिश की भविष्यवाणी कर रहा है। इस बीच, सूरत में डेंगू और बुखार के मामलों में वृद्धि हुई है। स्विमर हॉस्पिटल की एक महिला डॉक्टर की भी डेंगू से मौत हो चुकी है. पहले बारह दिनों में ही यानी 1 से 12 सितंबर तक डेंगू के 39 और मलेरिया के 55 मामले सामने आ चुके हैं. इस बार जून से लगातार बारिश हो रही है. एएमसी में करीब 1500 स्वास्थ्य कर्मी कार्यरत हैं. 900 कर्मचारी घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। इसके अलावा सर्विलांस स्टाफ के तौर पर 686 कर्मचारी हैं.

एसएमसी हेल्थ द्वारा तीन महीनों में 26,60,000 घरों का सर्वेक्षण किया गया। जिसमें 68 स्थानों पर मच्छर का लार्वा पाया गया। साथ ही करीब 8000 नोटिस जारी किए गए हैं और कुल 22,50,000 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. इसके अलावा पिछले तीन महीनों में 631 निर्माण स्थलों का सर्वेक्षण किया गया। जहां से 400 पक्षों को नोटिस दिया गया है और उन पर कुल 27 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. सबसे ज्यादा मामले डिंडोली, उधना, पांडेसरा, बमरोली इलाके से आए हैं।

विश्वामित्री का पानी वापस लौटने पर तीन दिनों तक पूरा वडोदरा पानी में डूबा रहा। वडोदरा में भी प्रदूषण और साफ-सफाई की समस्या के बीच डेंगू का कहर जारी है. शहर के सयाजी अस्पताल में कतारें लगी रहीं. पिछले एक सप्ताह में डेंगू के 26 मामले सामने आए हैं। फिलहाल एसएसजी अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है. हालांकि, अस्पताल में दवाओं का पर्याप्त भंडार है. डेंगू के अब तक 262 मामले सामने आ चुके हैं. अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है. जबकि मलेरिया के 132 मामले, चिकनगुनिया के 96 मामले, टाइफाइड के 56 मामले, दस्त और उल्टी के 1460 मामले और बुखार के 2102 मामले सामने आए हैं।

'आग लगने की घटना में निचले अधिकारी को डयूटी देकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकते आप!'

अहमदाबाद,13 सितंबार

मई में राजकोट के कलावड रोड के पास टीआरपी गेमज़ोन में लगी आग में 27 लोगों की जान चली गई थी. अग्निकांड को लेकर आज गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त के बचाव में दायर किये गये हलफनामे को खारिज कर दिया और कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर आयुक्त को अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए और अदालत से माफी मांगनी चाहिए.

अग्निकांड को लेकर आज गुजरात हाई कोर्ट में जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बैच में सुनवाई हुई. जिसमें पिछली सुनवाई के दौरान मांगे गए कमिश्नर के जवाब को शपथ पत्र के रूप में दाखिल कर पेश किया गया। राजकोट नगर निगम की ओर से हाई कोर्ट में पेश किए गए हलफनामे में नगर आयुक्त का बचाव करते हुए कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई. उन्होंने कहा कि निचले अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपकर वह जिम्मेदारी से नहीं बच सकते. संगठन के प्रमुख के रूप में सारी ज़िम्मेदारी उन पर है।

राजकोट नगर निगम की ओर से कोर्ट में दायर हलफनामे को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया. कोर्ट ने आदेश की अवहेलना और पीड़ितों को मुआवजा देने के संबंध में हलफनामा दाखिल कर जवाब देने का आदेश दिया है. इस मामले में आगे की सुनवाई 27 तारीख को होगी.

किसानों के हित में प्रदेश का हित देखते हुए मुख्यमंत्री का विशेष निर्णय

13 सितंबर

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य में डिजिटलीकरण में तेजी लाने और कृषि भूमि विक्रय प्रकरणों की पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के सुशासन के सफल तीन वर्ष पूरे करने के बाद चौथे वर्ष में प्रवेश के पहले ही दिन प्रदेश के किसानों के व्यापक हित में लिये गये ये कल्याणकारी निर्णय अधिक लोगों के लिए व्यवसाय करने में आसानी ला सकते हैं- दोस्ताना। राज्य में कृषि भूमि के विक्रय के मामले में स्वामित्व पुस्तिका में विक्रय नोट दर्ज करते समय किसान के 1951-52 तक कृषक होने के प्रमाण पत्र पर जोर देने की प्रथा राज्य में लागू रही है।

मुख्यमंत्री के समक्ष अभ्यावेदन आया कि गैर-खेती अनुमति के दौरान मूल किसान धारक के सत्यापन के मामलों में रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने और गैर-खेती अनुमति के मामलों में देरी के कारण किसानों और आवेदकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। 1951-52 के बाद से गैर-खेती परमिट के दौरान जब मूल कृषक के कार्यकाल का समर्थन साक्ष्य मांगा जाता है, तो जिला विस्तार, बाढ़ जैसी अचानक प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ पुराने साक्ष्य की अनुपलब्धता के कारण बिक्री-रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होते हैं। राज्य सरकार के संज्ञान में किसानों की पात्रता के मुद्दे पर बुजुर्गों और वर्तमान खरीददारों द्वारा गैर-कृषि आवेदनों को दाखिल करने या अस्वीकार करने के मामले सामने आए हैं।

इसके परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री ने किसानों की मूल वास्तविकता के सत्यापन के संबंध में रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण विक्रय-पत्र और गैर-कृषि स्वीकृतियों के मामलों को सरल बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। तदनुसार, कृषि भूमि के विक्रय नोट के प्रमाणीकरण के संबंध में निर्णय में कृषक की प्रामाणिकता की पुष्टि करने में दिनांक. केवल 6 अप्रैल 1995 के बाद के रिकॉर्ड पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा, ऐसा सत्यापन करते समय, 6 अप्रैल 1995 से पहले की किसी भी भूमि के मामले में, यह सत्यापित करने का मामला कि आवेदक के पास मूल रूप से भूमि कैसे थी, कृषि भूमि के बाद के बिक्री नोट को मंजूरी देने के चरण में लागू नहीं होगी।

किसान होने के उपलब्ध ऑनलाइन रिकॉर्ड की जांच करने के बाद, सक्षम राजस्व प्राधिकारी किसान की पहचान के लिए नोट को प्रमाणित करने का निर्णय लेगा। किसान बिक्री नोट को प्रमाणित करने का निर्णय लेते समय प्रामाणिकता प्रमाण पत्र पर जोर नहीं देगा। हालाँकि, ऐसी कृषि भूमि के स्वामित्व विलेख में विक्रय नोट दर्ज करते समय, कृषक को निर्धारित प्रपत्र में एक शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह स्वयं कृषक है। मुख्यमंत्री ने एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया है कि जो भूमि मूलतः पुरानी स्थिति में है और खेती के उद्देश्य से खेती योग्य है, लेकिन गैर-खेती प्रीमियम के लिए पात्र है, गैर-खेती के लिए आवेदन करते समय 6 अप्रैल 1995 के बाद का रिकॉर्ड ही मान्य किया जाएगा। किसान सत्यापन के लिए लेना होगा।

ऐसी अनुमति के समय, कब्जाधारी ठकेवल गैर-कृषि अनुमति देने के लिए आवेदन होने पर और इस अनुमति के साथ स्वामित्व-शीर्षक या किसी अन्य मामले में कोई विसंगति होने पर कानूनी कार्रवाई करने में सक्षम होंगे।ठ कलेक्टरों को ऐसा शपथ पत्र प्राप्त करना होगा। गैर-खेती की अनुमति से संबंधित अन्य प्रावधान लागू रहेंगे और सभी सक्षम अधिकारियों द्वारा सख्ती से लागू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्णय लिया है कि ये प्रावधान उन मामलों में लागू नहीं होंगे जिनमें किसान किरायेदार की स्थिति के संबंध में मुकदमा या जांच लंबित है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के इन महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर राज्य के राजस्व विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है.

गुजरात कांग्रेस के दो नेताओं को जम्मू-कश्मीर में स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी

अहमदाबाद,13 सितंबार

कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है. आज कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची की घोषणा की. जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टीनेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, सुप्रिया श्रीनेथ और अन्य नेता शामिल हैं. इस सूची में गुजरात कांग्रेस के दो नेताओं को भी जिम्मेदारी दी गई है.

आजकांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभाचुनाव के लिए प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची की घोषणा की. जिसमें गुजरात कांग्रेस केदो दिग्गज नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है. 40 स्टार प्रचारकों की सूची में बनासकांठा सीट से चुनाव जीतने वाली गनीबेन ठाकोर और वडगाम से विधायक जिग्नेश मेवाणी का नाम शामिल किया गया है. जो विधान सभा के आम चुनाव के आगामी तीसरे चरण में भाग लेंगे।

कांग्रेस ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 40 स्टार प्रचारकों की सूची साझा की. जम्मू-कश्मीर विधानसभा सीटों के लिए अगले अक्टूबर से कई चरणों में मतदान होना है।

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं. अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया और उसके बाद यहां पहली बार चुनाव होने जा रहे हैं. पूरा चुनाव तीन चरणों में होना है. राज्य की 90 विधानसभा सीटों के लिए मतदाता 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान करेंगे। चुनाव नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे.

नई दिल्ली में ''स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता (4एस)'' 2024 के लिए कर्टन रेजर का आयोजन किया गया

स्वच्छ भारत मिशन व्यवहार परिवर्तन के लिए जन आंदोलन बन गया है और अब इसे शिशु मृत्यु दर, बीमारी में कमी और बेहतर आजीविका के अवसरों के लिए एक सशक्त क्रियाकलाप के रूप में वैश्विक रूप से पहचाना गया है: श्री सी आर पाटिल

केंद्र सरकार इस वर्ष के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की थीम 'स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता (4एस)' 2024 अभियान के दौरान लगभग दो लाख बहुत कठिन और गंदे स्थानों के समयबद्ध और लक्षित परिवर्तन का लक्ष्य बना रही है। ये स्वच्छता लक्ष्य इकाइयां (सीटीयू) इस वर्ष के अभियान के संदर्भ में मुख्य आकर्षण हैं और इसमें एक पोर्टल के माध्यम से सीटीयू की पहचान और मानचित्रण शामिल है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल ने आज नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में आयोजित अभियान के उद्घाटन समारोह में इसकी घोषणा की।

मंत्रियों ने बताया कि केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योग भागीदारों और गैर-सरकारी संगठनों को सीटीयू अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान में श्रमदान और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से पर्यटक स्थलों, सार्वजनिक भवनों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, सामुदायिक शौचालयों, सार्वजनिक शौचालयों, जल निकायों, चिड़ियाघरों, अभयारण्यों जैसे विभिन्न स्थलों पर बृहद सफाई अभियान शामिल हैं।

सभी केंद्रीय मंत्रालय और राज्य इस अभियान को ध्यान में रखते हुए नागरिक सहभागिता गतिविधियों की योजना बना रहे हैं। यह अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा और 2 अक्टूबर, 2024 को महात्मा गांधी की जयंती पर समाप्त होगा।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष यह अभियान 'स्वच्छता ही सेवा है' से समाज के प्रत्येक व्यक्ति के 'स्वच्छता ही स्वभाव और संस्कार है' की ओर एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा जन आंदोलन होने के नाते यह अभियान पूरे समाज और पूरी सरकार को वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण स्थापित करने के लिए आगे लाने का एक माध्यम मात्र है।

श्री मनोहर लाल ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 2,300 डंप साइट हैं, जिनमें 22 करोड़ मीट्रिक टन कचरा है, जिनमें से 9 करोड़ मीट्रिक टन कचरे वाले 427 करोड़ डंप साइट को पूरी तरह से ठीक कर दिया गया है और 4,500 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मिशन का उद्देश्य घर-घर जाकर कूड़ा एकत्र करने से लेकर 100 प्रतिशत प्रसंस्करण तक बदलाव लाना है।

पीएम मोदी के जन्म दिन 17 सितंबर से गुजरात में शुरू होगा 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वच्छता के जन आंदोलन के तथा सुशासन के प्रेरणास्त्रोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर मंगलवार से 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का देशव्यापी प्रारंभ होने वाला है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की सामूहिक भावना जन-जन में उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित हो रहे इस अभियान को समग्र गुजरात में जन भागीदारी से भारी सफलता दिलाने का संकल्प व्यक्त किया है। भूपेन्द्र पटेल ने इस संदर्भ में गुरुवार को राज्य के जिला कलेक्टरों तथा महानगर पालिका आयुक्तों के साथ गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अभियान के आयोजन को अंतिम रूप दिए जाने की सर्वग्राही समीक्षा की। उन्होंने इस बैठक में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि राज्यभर में स्वच्छता-सफाई के कार्यक्रम पूरे वर्ष निरंतर चलते रहें, ऐसे मैकेनिज्म की व्यवस्था करके ही हम 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' को सही अर्थ में सार्थक कर सकेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के पारदर्शी, संवेदनशील एवं प्रो-एक्टिव प्रशासन को अधिक गतिशील बना कर जनता की व्यक्तिगत समस्याओं के स्थल पर निवारण के अभिनव प्रयोग 'सेवा सेतु' के 10वें चरण के आयोजन की पूर्व तैयारियों की भी समीक्षा की। गुजरात में 'स्वच्छता ही सेवा 2024' और 'सेवा सेतु' का 10वाँ चरण; दोनों 17 सितंबर से 31 अक्टूबर तक जन भागीदारी के साथ आयोजित होने वाले हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष इन दोनों जनहितकारी कार्यक्रमों के विस्तृत कार्यायोजन का प्रेजेंटेशन दिया गया।

मुख्य सचिव राज कुमार ने जिलों व महानगरों में इन कार्यक्रमों के संदर्भ में प्रशासन की तैयारियों की गहनतापूर्वक समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष का 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान तीन स्तंभों पर आयोजित किया जाएगा। तद्अनुसार क्लीनलीनेस टारगेट यूनिट्स (सीटीयू) आइडेंटिफाई करके उनकी साफ-सफाई निश्चित समय सीमा में करने के साथ समग्र रूप से सामान्य साफ-सफाई को भी प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य में अब तक ऐसे 14778 सीटीयू की पहचान कर ली गई है।

रैपिडो ने बैंगलुरू में खोला अपना नया कार्यालय; कैप्टन्स, ग्राहकों और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता का मनाया जश्न

बैंगलुरू, 11 सितम्बर, 2024: देश के सबसे बड़े राईड प्लेटफॉर्म और नौकरियां उत्पन्न करने वाले प्लेटफॉर्म रैपिडो ने अपने कैप्टन्स और ग्राहकों के योगदान को सम्मान देते हुए बेल्लांदुर (बैंगलुरू) में अपना नया कॉर्पोरेट मुख्यालय खोला है। रैपिडो का नय कार्यालय 40,554 वर्गफीट में फैला है। कैप्टन्स का योगदान और ग्राहकों का भरोसा ही कंपनी के सतत विकास और सफलता का आधार रहा है।

यहउद्घाटन लम्बे समय से रहे रैपिडोके कैप्टन्सऔर उपभोक्ता ओंनेकिया,जिन्होंनेरैपिडोकी सफलता कीयात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसकेबादसंस्थापकों ने उपस्थित गणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कैप्टन्स, ग्राहकों और कंपनी के बीच का तालमेल ही रैपिडो की सफलता का मुख्य कारण है।

रैपिडो के सह–संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, ''हमारे कैप्टन्स के समर्पण और ग्राहकों के भरोसे, महिला सशक्तीकरण एवं नौकरियां उत्पन्न करने के प्रयासों की वजह से ही हमने तेज़ी से विकास किया और आज हमारा प्लेटफॉर्म देष का सबसे बड़ा राईड प्लेटफॉर्म बन गया है, जो बड़ी संख्या में लोगों को आजीविका के अवसर भी देता है। अपने नए मुख्यालय का उद्घाटन करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, क्योंकि हम अपने संचालन का पैमाना और सेवाओं का विस्तार जारी रखे हुए हैं।

एनएमडीसी ने FY'25 में स्लरी पाइपलाइन और नए प्रोसेसिंग प्लांट्स की स्थापना के लिए रू.2,200 करोड़ का कैपेक्स निर्धारित किया

नई दिल्ली,12सितंबर 2024: एनएमडीसी लिमिटेड, भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक और नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, FY'25 में स्लरी पाइपलाइन और नए प्रोसेसिंग प्लांट्स की स्थापना के लिए रू.2,200 करोड़ का निवेश कर रहा है। यह निवेश कंपनी की उत्पादन क्षमता को 2030 तक 100 एमटी तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। यह महत्वाकांक्षी विस्तार एनएमडीसी के बुनियादी ढांचे और संचालन को काफी बेहतर बनाएगा, जिससे इसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी और भारत के औद्योगिक विकास की दिशा में योगदान मिलेगा।

श्री अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी ने 2030 तक 45 एमएनटी से 100 एमएनटी तक के परिवर्तन को महत्वाकांक्षी पर स्थिरता और नवोन्मेष में निहित बताया । उन्होंने सुस्थिर विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा ''हमारा रोडमैप सिर्फ उत्पादन वृद्धि करना नहीं है, बल्कि यह पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ करना है । हम हमारे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं उन्हें सकारात्मक योगदान देने के लिए समर्पित हैं''।

राजकोट-बाड़मेर के बीच चलायी जाएगी स्पेशल ट्रेन टिकटों की बुकिंग 15 सितम्बर से

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए राजकोट-बाड़मेर के बीच विशेष किराये पर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। बाड़मेर स्टेशन राजस्थान में स्थित है। इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 04820/04819 राजकोट-बाड़मेर स्पेशल ड14-14 फेरे.

ट्रेन संख्या 04820 राजकोट-बाड़मेर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल 04.10.2024 से लेकर 18.11.2024 तक राजकोट से प्रति शुक्रवार और सोमवार को राजकोट से 01.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 15.00 बजे बाड़मेर पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 04819बाड़मेर-राजकोट द्वि-साप्ताहिक स्पेशल 03.10.2024 से लेकर 17.11.2024 तक बाड़मेर से प्रति गुरुवार और रविवार को बाड़मेर से 09.45 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.00 बजे राजकोट पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वांकानेर, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा और बायतु स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फ़र्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, सेकंड स्लीपर और जनरल क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04820 की बुकिंग 15 सितम्बर, 2024 से सभी पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मयूख डीलट्रेड लिमिटेड राइट्स इश्यू के माध्यम से रु.49 करोड़ जुटाएंगे

मुंबई, 12 सितंबर, 2024 - विभिन्न प्रकार के बर्नर के निर्माण में लगी बीएसई सूचीबद्ध कंपनी, मुंबई स्थित मयूख डीलट्रेड लिमिटेड (बीएसईः 539519) के निदेशक मंडल ने 30 अगस्त, 2024 को पात्र शेयरधारकों को इक्विटी शेयर जारी किए हैं। 49 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू के माध्यम से कंपनी के फंड जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है. बोर्ड ने प्रबंध निदेशक और सीएफओ को सलाहकार नियुक्त करने और राइट्स इश्यू प्रक्रिया शुरू करने का भी अधिकार दिया है।

बोर्ड ने 1 के बदले 5 शेयरों के स्टॉक विभाजन प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। कंपनी की आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन बोर्ड ने रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। अंकित मूल्य के 5 इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई और अंकित मूल्य के 1 से 5 इक्विटी शेयरों को मंजूरी दी गई।

कंपनी की आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन, बोर्ड ने रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी दी है। 30 करोड़ से रु. 1 रुपये के 30 करोड़ इक्विटी शेयर. के अतिरिक्त 33 करोड़ इक्विटी शेयर बनाकर इसे विभाजित करके 63 करोड़ रु. 1 के 63 करोड़ इक्विटी शेयरों में विभाजित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की और मंजूरी दे दी।

इसके अलावा, बोर्ड ने कंपनी का नाम प्रस्तावित सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड या आरओसी/एमसीए के माध्यम से उपलब्ध किसी अन्य नाम में बदलने पर विचार किया। नाम आरक्षण के लिए आवेदन करने की शक्ति प्रबंध निदेशक को दी गई है। अंतिम मंजूरी अगली एजीएम में शेयरधारक की मंजूरी के अधीन होगी।

कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, मयूख डीलट्रेड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री मित ब्रह्मभट्ट ने कहा, ठहम Q1FY25 में अपनी टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। परिणाम हमारी विस्तार और विकास योजनाओं के अनुरूप हैं। कंपनी मजबूत है।ठ स्वस्थ और नई ऊंचाइयों तक पहुंचना। हमारे हितधारकों का विश्वास और विश्वास हमारी विकास और सुधार की कभी न खत्म होने वाली यात्रा में महत्वपूर्ण ईंधन है। हमारा उद्देश्य विकास की गति को जारी रखना और बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

मारुति सुज़ुकीद्वारा लॉन्च की गई `Epic New Swift S-CNG'; जो ईंधन की दृष्टि से अपने सेगमेंट में अब तक की सबसे किफ़ायती हैचबैक मानी जाती है

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 2024: मारुति सुज़ुकीइंडिया लिमिटेड(MSIL) द्वारा आज Epic New Swift का S-CNG संस्करण लॉन्च किया गया। प्रतिष्ठित Swift लाइनअप में यह रोमांचक वृद्धि इसकी स्टाइल, प्रदर्शन क्षमता और इसमें उपलब्ध अत्याधुनिक फीचर्स को 32.85 km/kg की बेजोड़ ईंधन दक्षता के साथ जोड़ती है। इसके साथ ही, नई Swift S-CNG ने अपने सेगमेंट में भारत की सबसे अधिक ईंधन कुशल प्रीमियम हैचबैक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

नई लॉन्च की गई Swift को इसके विशिष्ट डिजाइन के लिए सराहा जा रहा है, जो इसकी बोल्ड रैपअराउंड कैरेक्टर लाइन द्वारा रेखांकित है, जो इसे प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में एक स्पोर्टी पहचान प्रदान करती है। Swift S-CNG इस विशिष्ट स्पोर्टी विशेषता को बरकरार रखती है, Z-SeriesDual VVT इंजन जो CO_2 का उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम मात्रा में करता है, एक बेहतर शहरी ड्राइविंग के लिए 2900 rpm पर 101.8 Nm का प्रभावशाली अधिकतम टॉर्क प्रदान करता है।

Epic New Swift S-CNG की प्रस्तुति की घोषणा करते हुए, सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, मार्केटिंग एवं सेल्स, मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड, श्री पार्थो बैनर्जी ने कहाः ``Swift ब्रांड हमेशा से ही उत्साही प्रदर्शन और प्रतिष्ठित शैली का पर्याय रहा है। नई ऐंर्ए-एण्ड के लॉन्च के साथ, हम न केवल इसकी समृद्ध विरासत का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

वडोदरा के व्यापारियों-उद्योगपतियों में आक्रोशः सरकार लॉलीपॉप जैसे पैकेज के लिए 18 तरह के सबूत चाहती है

13 सितंबर

वडोदरा में बाढ़ सहायता पैकेजः वडोदरा में बाढ़ से हुए नुकसान के बाद राज्य सरकार ने राहत पैकेज की घोषणा की है, लेकिन व्यापारिक समुदाय और उद्योग जगत में नाराजगी है. संगठन कह रहे हैं कि यह पैकेज व्यापारियों और उद्योगों के लिए लॉलीपॉप की तरह है.

इस मुद्दे पर उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच संगठनों वडोदरा ट्रेड डेवलपमेंट एसोसिएशन, मध्य गुजरात ट्रेड एसोसिएशन, हाथीखाना ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स ट्रेडर्स, वीसीसीआई के प्रतिनिधियों की एक बैठक वीसीसीआई के कार्यालय में हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया मुख्यमंत्री को सहायता पैकेज प्रस्तुत करना था

बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि बाढ़ से व्यवसायियों को हुए नुकसान के सर्वेक्षण में व्यवसायियों के पांच प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग सरकार ने नहीं मानी. इसके अलावा पांच लाख से कम टर्नओवर और अच्छी दुकान रखने वाले व्यापारियों को 85000 की अधिक सहायता देने का निर्णय लिया गया है. हालांकि, व्यापारी को 18 तरह के दस्तावेज जमा करने होंगे. सहायता राशि भी कम है. क्योंकि दुकानों में पानी भरने से औसतन पांच से दस लाख का नुकसान होता है।

ट्रेड डेवलपमेंट एसोसिएशन के परेश पारिख ने बताया कि पांच लाख से अधिक टर्नओवर वाले व्यापारियों को सिर्फ लोन के ब्याज में छूट दी गई है। यह सर्कुलर व्यापारियों के साथ एक मजाक है। हम आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर एक संयुक्त प्रस्तुति देने जा रहे हैं।''

वीसीसीआई के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष हिमांशु पटेल ने कहा कि पैकेज में उद्योगों का कोई जिक्र नहीं है. बाढ़ के कारण उद्योगों को भी नुकसान हुआ है. हमें उम्मीद नहीं है कि सरकार उद्योगों की मदद करेगी, लेकिन मकरपुरा जीआईडीसी सहित जीआईडीसी में सड़क, गंदगी जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान करेगी तो.. जीआईडीसी की ज्यादातर सड़कों पर गड्ढों के कारण भारी वाहन चलाना मुश्किल हो रहा है। उद्योगों को माल की आपूर्ति करने वाले वाहन। सरकार की ओर से कोई भी यह देखने तक नहीं आया कि बाढ़ के बाद गिडको की स्थिति क्या है.

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95